भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 292 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 17 अक्टूबर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

खेल मंत्री ने मनमोहन सिंह को दे दी श्रद्धांजलि, किरकिरी के बाद मांगी माफी

रांची (एजेंसी)। झारखंड के खेल मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह को जिंदा रहते ही श्रद्धांजलि दी। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो एक सभा को संबोधित कर रहे हैं और मनमोहन सिंह को मृत बता रहे हैं। इस वीडियो में अंसारी मनमोहन सिंह को मृत बताकर उनके सम्मान में एक मिनट का मौन रखने की भी बात कर रहे हैं। हालांकि एक दिन बाद उन्होंने एक वीडियो जारी कर इस संबंध माफी मांगी है। झारखंड के खेल मंत्री हसन अंसारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मंत्री जी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मृत बताकर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि देवघर में पटवाबाद के धमना फाटक के पास शुक्रवार को अंसारी ने एपीजे डॉ. अब्दुल कलाम चौक का उद्घाटन किया। लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री की जुबान फिसल गई।

वो कह रहे हैं, ठपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का आज निधन हो गया। देश के विकास के योगदान में उनका 50 फीसदी योगदान है। मोदी जी देश को 50 साल पीछे ले गए। लेकिन मनमोहन सिंह जी देश को 50 साल आगे ले गए। वो आज हमारे बीच नहीं रहे। हम उनके लिए एक मिनट का मौन रखेंगे।ठ

कल भूलवश मैंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के संबंध में एक संक्षिप्त भाषण में जो कहा है दरअसल यह सोशल मीडिया पर चलाये जा रहे भ्रामक ख़बरों की वजह से हुई है। इस संबंध में मैंने जो भाषण में कहा है उसके लिए मैं दिल से क्षमाप्रार्थी हूँ। वीडियो वायरल होने के बाद मंत्री की खूब किरकिरी हो रही है। इसके बाद मंत्री अंसारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से सफाई दी है। लिखा है, ठमैं दिल से क्षमापार्थी हूं। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों के कारण ऐसा हुआ।ठ बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह डेंगू के कारण दिल्ली एम्स में भर्ती हुए थे। हालांकि उनकी तबीयत में सुधार है।

केरल में बाढ़ से हाहाकार, अब तक नौ की मौत, 20 से ज्यादा लापता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में बारिश का कहर लगातार जारी है। यहां दक्षिण और मध्य केरल में लगातार हो रही बारिश से कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में अब तक नौ लोगों की मौत हो गई है और 20 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं।केरल में हो रही भारी बारिश लोगों के लिए जानलेवा साबित हो गई है। कई शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। जानकारी के अनुसार अब तक इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई है और 20 से अधिक लोग लापता हैं। रेस्क्यू के लिए सेना को तैनात किया गया है। भारी बारिश को देखते हुए पातनमथिट्टा, कोट्टायम, एनार्कुलम, इडुक्की, त्रिशूर जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि तिरुवनंतपुरम, कोल्लुम, अलापुझा, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सीएमओ ने कहा कि पातनमिथिट्टा, कोट्टायम, एनार्कुलम, इडुक्की, त्रिशूर औल अलापुझा जिले में एनडीआरफ की 11 टीमें तैनात कर दी गई हैं। तिरुवनंतपुरम और कोट्टायम में सेना की दो टीमें तैनात करने को कहा गया है। आपातकालीन की स्थिति में एयरफोर्स को स्टैंडबाय मोड में रहने को कहा गया है। वहीं ऊंइ की एक टीम भारी बारिश से प्रभावित एर्नाकुलम के मुवात्तुपुझ्हा पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। केरल में बाढ़ के मद्देनजर भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना ने अपने जवानों को तैनात कर दिया है। वायुसेना के अनुसार एमआई-17 और सारंग हेलीकॉप्टर पहले से ही स्टैंडबाय मोड में हैं। केरल में मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए दक्षिणी वायु कमान के तहत सभी ठिकानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। कोट्टायम में भूस्खलन के कारण 20 से अधिक लोग लापता हो गए। इस जगह पर पुलिस और अगिन्शमन विभाग के कर्मी भी पहुंचने में नाकाम रहे। मौसम विभाग ने राज्य के कई और हिस्सों में भी बारिश का अनुमान जताया है। भारी बारिश को देखते हुए केरल में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने भगवान अयप्पा के भक्तों से रविवार और सोमवार को पठानमथिट्टा जिले के सबरीमाला मंदिर में जाने से परहेज करने का आग्रह किया।

जेसीओ सहित 2 और सैनिक शहीद, 6 दिन से चल रहे एनकाउंटर में अब तक 9 सैनिकों का बलिदान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ जिलों की सीमा पर घने जंगल में पिछले छह दिन से चल रहे एनकाउंटर में दो और सैनिक शहीद हो गए हैं। शनिवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान एक जेसीओ सहित 2 सैनिकों के शव मिले। छह दिन से चल रहे इस एनकाउंटर में अब तक 9 सैनिक सर्वोच्च बलिदान कर चुके हैं, जिनमें 2 जेसीओ शामिल हैं। पुंछ के सुरनकोट जंगल में यह एनकाउंटर सोमवार को शुरू हुआ था, जोकि बाद में राजौरी के थानामंडी से पुंछ के मेंढर तक फैल गया। अधिकारियों ने बताया कि एक जेसीओ और एक जवान का शव मेंढर के नार खास वन क्षेत्र में उस स्थान के पास से मिले जहां गुरुवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान जान गंवाने वाले जवानों की संख्या अब बढ़कर चार हो गई है। इससे पहले राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और योगंबर सिंह की नार खास वन में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद होने की पुष्टि हुई थी। नेगी और सिंह दोनों उत्तराखंड के थे। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 11 अक्टूबर को एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत सेना के 5 जवान उस वक्त शहीद हो गए जब आतंकवादियों ने पुंछ के सुरनकोट वन में सेना के एक गश्ती दल पर हमला कर दिया था। उसी दिन राजौरी के थानामंडी जंगल में फरार आतंकवादियों और सेना के तलाश दल के बीच मुठभेड़ हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि मेंढर से थानामंडी तक के पूरे वन क्षेत्र की कड़ी घेराबंदी कर दी गयी है और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाश अभियान चलाया गया है। आतंकवादी घेराबंदी से बचने की कोशिश में एक जगह से दूसरी जगह जा रहे हैं। राजौरी-पुंछ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक विवेक गुप्ता ने मंगलवार को बताया था कि पुंछ में सुरक्षाबलों पर हमले में शामिल आतंकवादी पिछले दो से तीन महीनों से इलाके में मौजूद थे। जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ क्षेत्रों में इस साल जून के बाद से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ गई हैं। अलग-अलग मुठभेड़ों में 9 आतंकवादी मारे जा चुके हैं। इस बीच, एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि राइफलमैन नेगी और सिंह के पार्थिव शरीर शनिवार सुबह विमान से उत्तराखंड ले जाए गए। हवाईअड्डे से जवानों का पार्थिव शरीर सड़क मार्ग से उनके गृह नगर ले जाए जाएंगे और पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इंदिरा की हत्या का जिक्र कर पवार बोले- सीमावर्ती राज्य पंजाब के किसानों को ना किया जाए परेशान

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को नए कृषि कानूनों के खिलाफ हत्या का जिक्र कर रहे थे। पवार पिंपरी में संवाददाताओं को दिल्ली की सीमाओं पर कई महीने से चल रहे किसान आंदोलन से जुड़े एक

चल रहे विरोध से संवेदनशीलता के साथ निपटना चाहिए और ध्यान रखना चाहिए कि अधिकतर प्रदर्शनकारी पंजाब से हैं, जो एक सीमावर्ती राज्य है।

उन्होंने कहा कि विगत में पंजाब को अशान्त करने की कीमत देश भुगत चुका है। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की खालिस्तानी आतंकवाद के दौरान सवाल का जवाब दे रहे थे। वह केंद्रीय रक्षा और कृषि मंत्री भी रह चुके हैं। पवार ने कहा, ''मैं वहां (प्रदर्शन स्थल पर) दो- तीन बार गया। केंद्र सरकार का रुख तार्किक नहीं लगता है।

'' पवार ने कहा कि आंदोलन में हिस्सा ले रहे लोग हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर पंजाब के हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार को मेरी सलाह है कि पंजाब के किसानों को परेशान मत कीजिए, यह सीमावर्ती राज्य है। अगर हम सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों और लोगों को परेशान करते हैं, तो उसके अलग परिणाम होंगे।

एनसीपी प्रमुख ने कहा, ''हमारे देश ने पंजाब को अशांत करने की कीमत चुकाई है, यहां तक कि (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी को अपनी जान गंवानी पड़ी। दूसरी तरफ पंजाब के किसान चाहे वे सिख हों या हिंदू, उन्होंने खाद्य आपूर्ति में भागीदारी निभाई है।'' उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाके के लोगों को सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जो महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों को नहीं करना पड़ता। पवार ने कहा, ''इसलिए जो लोग कुर्बानी देते हैं वे लंबे समय से कुछ मांगों को लेकर विरोध में बैठे हैं और देश को चाहिए कि उनकी तरफ ध्यान दिया जाए।

सीडब्लूसी की बैठक में बोले राहुल गांधी

लोग चाहते हैं कि कांग्रेस जनता के लिए लड़े, आपस में नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोग चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके हितों के लिए लड़ाई लड़े और आपस में नहीं लड़े। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि राहुल गांधी ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि कौन किस पद पर है, बल्कि लोग चाहते हैं कि कांग्रेस एकजुट होकर लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने, वंचित वर्गों के अधिकार की लड़ाई लड़े।सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने चरणजीत सिंह चननी के पंजाब का मुख्यमंत्री बनने का उल्लेख किया और कहा कि जब कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बारे में चननी को फोन पर जानकारी दी, तो वह भावुक हो गए थे।

बाद में चननी सीडब्लूयूसी की बैठक में भावुक हो गए और कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय के एक व्यक्ति को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सिर्फ कांग्रेस और गांधी परिवार ही दे सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की जनता चाहती है कि कांग्रेस उनके हितों की लड़ाई लड़े।

बता दें कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूयूसी) की बैठक के बाद यह तय हो गया है कि पार्टी की कमान अभी करीब एक साल तक सोनिया गांधी के हाथ ही रहेगी। पार्टी ने अध्यक्ष पद के लिए अगले साल अगस्त-सितंबर में चुनाव कराने का फैसला किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष का चुनाव अगले साल 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। हालांकि, बैठक के दौरान लगभग सभी नेताओं ने राहुल गांधी को ही दोबारा अध्यक्ष बनाए जाने की मांग की। खुद राहुल गांधी ने भी इस विचार करने की बात कही है।

अखिलेश यादव ने बनाई नई पार्टी! बसपा से सपा में आए नेता को बनाया अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। चुनावी सरगर्मी के बीच समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी की नई विंग समाजवादी बाबा साहेब वाहिनी गठित कर छोड़ कर सपा में शामिल हुए थे। बलिया के रहने वाले मिठाई लाल भारती बसपा के पूर्वांचल के जोनल कोआर्डिनेटर भी रहे चुके हैं। सपा अध्यक्ष ने मिठाई

दी है। बसपा से आए पुराने नेता मिठाई लाल भारती को इसका राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। सपा के इस निणय्र के पीछे दलित वोटरों के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश माना जा रहा है। मिठाई लाल भारती कुछ समय पहले बसपा लाल भारती से जल्द वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बनाने को कहा है। अखिलेश यादव ने इस साल अप्रैल में ट्वीट कर कहा था कि संविधान निर्माता आदरणीय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के विचारों को सक्रिय कर असमानता व अन्याय को दूर करने और सामाजिक न्याय के समतामूलक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हम उनकी जयंती पर जिला, प्रदेश व देश के स्तर पर सपा की बाबा साहेब वाहिनी के गठन का संकल्प लेते हैं। उन्होंने 14 अप्रैल को ही दलित दीपावली मनाने का भी ऐलान किया था। असल में सपा अब पिछड़ों के अलावा दलितों में अपना विस्तार करना चाहती है। लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठजोड़ के बावजूद दलित वोट अपेक्षानुसार सपा प्रत्याशियों को नहीं गए। यह शिकायत सपा नेताओं को रही है। इसलिए अब सीधे बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी की तैयारी है। अब चुनौती यह कि नवगठित वाहिनी कितने प्रभावी तरीके से चुनाव में काम कर पाती है।

उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मैंने जोर दिया था, पवार का फडणवीस को जवाब

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि दो साल पहले जब महा विकास आघाडी (एमवीए) की सरकार बनी थी तब उन्होंने इस पर जोर दिया था कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। पवार के बयान से कुछ घंटे पहले भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया था कि ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वकांक्षा को छिपाए रखा और किसी शिवसैनिक को राज्य के मुखिया के पद पर बिठाने की बात कहते रहे।ँक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुणे जिले के पिंपरी चिंचवड़ में शरद पवार ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र की शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की तीन दलों की सरकार को अस्थिर करने के लिए विभिनन्एजेंसियों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर भाजपा ने चुप्पी साधी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत घटने के बावजूद भाजपा सरकार पेट्रोल और डीजल के दाम कम नहीं कर रही है। पवार ने कहा, ठठाकरे को (एमवीए के) तीनों दलों के नेताओं ने चुना था। एमवीए में मेरे अलावा बहुत से लोगों का योगदान था। जब हमने एमवीए का गठन करने और गठबंधन के नेतृत्व पर चर्चा के लिए बैठक की तब मैंने उन्हें (उद्धव ठाकरे) मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा। मैंने इन लोगों को बचपन से देखा है। (शिवसेना संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे और मुझमें राजनीतिक मतभेद थे, लेकिन हम एक दूसरे के नजदीक थे।

उन्होंने कहा, ठमैंने सोचा कि उस व्यक्ति का बेटा मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता जिसने महाराष्ट्र के लिए योगदान दिया और मैंने उद्धव ठाकरे से मुख्यमंत्री बनने का आग्रह किया। फडणवीस उद्धव के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए उन्हें पता है कि उद्धव कैसे हैं? उन्हें यह बार-बार पूछना बंद करना चाहिए कि उद्धव मुख्यमंत्री कैसे बने।ठ इससे पहले आज फडणवीस ने आरोप लगाया था कि एमवीए सरकार अनैतिक तरीके से बनी थी। फडणवीस ने कहा, ठमुझे लगता है कि आदरणीय उद्धव जी को अब यह मान लेना चाहिए कि मुख्यमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा थी जो उन्होंने पूरी की। राजनीति में महत्वाकांक्षा होना बुरी बात नहीं है। लेकिन अगर आप अपनी बात का मान रखते तो आपको शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं दिवाकर रावते, सुभाष देसाई या एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए था। फडणवीस ने कहा कि अतीत में उद्धव ने कई बार कहा था कि उन्होंने अपने दिवंगत पिता बाल ठाकरे से वादा किया था कि वह किसी शिवसैनिक (पार्टी कार्यकर्ता) को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाएंगे। भाजपा नेता ने कहा, ठअगर आप सच में मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे तो नारायण राणे को शिवसेना क्यों छोड़नी पड़ी? राणे पार्टी के अध्यक्ष तो नहीं बनना चाहते थे। और राज ठाकरे को शिवसेना से अलग क्यों होना पड़ा? मुख्यमंत्री बनने की आपकी महत्वाकांक्षा थी यह अच्छी बात है, लेकिन अब कृपया इसके लिए हमें दोषी ठहराना बंद करें। पवार ने कहा कि फडणवीस ऐसे आरोप इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि वह दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बन पाए।

खबर संक्षेप

छेड़खानी के विरोध पर दबंगों ने जमकर पीटा कई घायल

उतरांव। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिक किशोरी से सोहदे ने छेड़खानी की विरोध पर दबंगों द्वारा जमकर पिटाई कर दी। वही पिटाई में लहूलुहान दोनों सगे भाई लहूलुहान हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। उतरांव क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिक किशोरी से नहाने के दरमियांन छेड़छाड़ किया तो किशोरी ने अपने घरवालों को सारी दास्तां बताइ। वही जब परिजन शिकायत लेकर घर पर गए तो दबंगों ने पीड़ित पक्ष विजय पुत्र फूलचंद व सूरज पुत्र फूलचंद को लाठी डंडे से पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर पहुंची उतराव पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने घायलों को जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। पीड़ित ने उतराव थाने में दबंगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति को भेजा गया जेल

लालापुर। क्षेत्र के भभौर गांव में बुधवार की रात फांसी लगाकर मरी विवाहिता मामले में दर्ज दहेज हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने पकड़ शनिवार के दिन जेल भेज दिया ।

बतादें कि भभौर गांव में बुधवार की रात दीपक निषाद उर्फ भुल्लन की पत्नी सुमित्रा की फांसी पर लटकती लाश मिली थी ।लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था । सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगो ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था । पति दीपक निषाद को शनिवार के दिन पुलिस ने पकड़ लिया और जेल भेज दिया ।

विसर्जन में गए युवक की तालाब में डूब जाने से मौत,मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

जसरा। बारा थाना क्षेत्र के कालिका का पूरा से नवदुर्गा विसर्जन में गये युवक की गहरे तालाब में जाने के कारण डूब गया। डूबने की सूचना पर परिजनों संग बारा थानाध्यक्ष मय हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा ले गये। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बारा पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। रिगवां गांव के संतोष कुमार सोनकर का बेटा सुशील सोनकर 28 वर्ष अपनी ससुराल ग्राम पंचायत पांडर का मजरा कालिका का पूरा में रह रहा था। शुक्रवार को सुबह साढ़े ग्यारह बजे नवदुर्गा विसर्जन के लिए गांव के ही करमतारा तालाब में गया हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार मूर्ति को प्रवाहित करते समय सुशील सोनकर गहरे पानी में डूब गया। सुशील को डूबता देख ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। मूर्ति विसर्जन को गए लोगों ने सुशील को पानी में खोजने लगे। किसी ने तत्काल बारा पुलिस को सूचना दे दिया। बारा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर कमलेश कुमार अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस गोताखोरों की मदद से डेढ़ घंटे बाद पानी से बाहर निकाला। पुलिस तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा ले गये। जहाँ डाक्टर ने सुशील सोनकर को मृत घोषित कर दिया। बारा पुलिस शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। वहीं सीएचसी पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

घटनास्थल पर लोगों की भीड़ व पुलिस बल

घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

पत्नी खुशबू का रो रोकर बुरा हाल,बच्चे हुए अनाथ

पति सुशील सोनकर के मौत की सूचना पर पहुंची पत्नी खुशबू सोनकर का रो रोकर बुरा हाल रहा। महिलाएं खुशबू को ढाढ़स बंधा रही थी। वहीं सुशील के दो बच्चे शिवा 4 वर्ष व राज 2 वर्ष की देख रेख करने वाला अब कोई नहीं रहा।

2- 6 माह का पेट में पल रहा है शिशु

मृतक सुशील सोनकर की पत्नी खुशबू सोनकर के दो बच्चों के साथ एक 6 माह का शिशु पेट में पल रहा है। उसे क्या पता कि हमारा पिता कहाँ गया। यही सोचकर खुशबू छाती पीट पीटकर रो रही है।

उपेंद्र के बेटा को डूबने से बचाया

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह नवदुर्गा विसर्जन को गये पांडर गांव के उपेंद्र शुक्ल का बेटा आभास शुक्ल उसी करमतारा तालाब में डूब रहा था। लेकिन साथ गये लोगों की निगाह पड़ने पर ग्रामीणों ने उसे बचा लिया।

मानक से ज्यादा गहरा है तालाब

ग्रामीणों ने बताया कि तालाब मानक से ज्यादा गहरा है। कहीं तालाब की गहराई दस फिट है तो कहीं तालाब पच्चीस फिट गहरा है। जिससे तालाब में डूबने वाला व्यक्ति गहरे पानी में डूब जाता है।

सुशील ससुराल में लगाता था ठेला

सुशील सोनकर परिवार के भरण पोषण के लिए ही रिगवां से आकर कालिका का पूरा में रह रहा था। यहां वह ठेला लगाकर कभी फल तो कभी सब्जी की दूकान लगाता था। शुक्रवार को भी जसरा रेलवे फाटक के पास फल की दूकान लगाकर बैठा था। लेकिन मौत ने उसे करमतारा तालाब खींच ले गई।

विसर्जन करने गया किशोर प्रतिमा लेकर तालाब में गिरा, मौत

मृतक आशीष यादव

हंडिया। हंडिया थाना क्षेत्र के गंगापुर कीराव लोकमानपुर तालाब में विसर्जन करने गए एक किशोर अनियंत्रित होकर दुर्गा प्रतिमा को लेकर तालाब में गिर गया जहां नीचे दबने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंगापुर किंराव निवासी रविंद्र यादव जो मुम्बई में रहकर एक प्राइवेट कम्पनी में कामकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। शुक्रवार को उसका बेटा मूर्ति विसर्जन करने के लिए किराव लोकमानपुर तालाब पर गया था। दुर्गा प्रतिमा के पास खड़ा था अचानक उसका पैर फिसल जाने से मूर्ति लेकर तालाब में गिर गया। वही तालाब में गिरते ही मूर्ति के नीचे किशोर अमर उर्फ. आशीष आ गया। यह देख ग्रामीण तालाब में कूद पड़े जब तक की अमर को बचा पाते कि उसकी मौत हो गई थी।मौत की सूचना पर रोते बिलखते परिजन भी पहुंचे मौके पर पहुचे।हण्डिया इंस्पेक्टर बृजेश सिंह चौकी प्रभारी बरौत मय फोर्स पहुंचकर मृतक का शव कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था छोटा भाई अंकित है।मृतक 11 का छात्र था। किशोर आशीष यादव की मौत से माता अनीता देवी समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।किशोर की मौत से खुशी भरा गांव में मातम में बदल गया।

न्यूज झरोखा

बेरहम पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीटकर किया लहूलुहान

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के बसगित गांव में एक बेरहम पति ने अपनी ही जीवन संगिनी को आपसी कहासुनी में पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया। गंभीर रूप से घायल पत्नी ने स्थानीय थाने में पहुंचकर पति के खिलाफ लिखित नामजद तहरीर देकर कार्यवाही की मांग। बसगित उतरांव निवासी गुड्डू जिसकी शादी फूलपुर निवासी संगीता से हुई है। वही पत्नी का आरोप है कि उसका पति गुड्डू का उक्त गांव के ही एक महिला से अवैध संबंध है। जिसको लेकर गुरुवार को पति पत्नी में आपसी कहासुनी हुई। कहासुनी में पत्नी की बातों की लगी मिर्ची पर खुन्नस खाए बेरहम पति ने लाठी डंडे से अपनी ही पत्नी संगीता को पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया। वही चार मासूम बच्चे रोते बिलखते अपनी मां को बचाने में जुटे रहे। लेकिन पति उन्हें पीटता रहा। लहूलुहान पत्नी संगीता उत्तराव थाने में पहुँच कर अपने पति के खिलाफ नामजद लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ममता हुई शर्मशार, झाड़ियों मे मिली नवजात

मेजा रोड। मेजा मे एक बार फिर ममता शर्मसार हुई है। झाड़ियों मे नवजात बच्ची मिलने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के सिरखिडी पेट्रोल पंप के समीप गेदुराही गांव जाने वाली सड़क के बगल झाड़ियों मे नवजात बच्ची मिलने से हड़कंप मच गया। रास्ते से गुजर रहे मुसहर लोगों ने बच्ची को देखा तो कुछ दूरी पर पेट्रोल पंप पर मौजूद लोगों को सुचना दी। वहां मौजूद सिरखिडी गांव के रोहित शुक्ला व मेजिया गांव के अनूप यादव ने दूध की व्यवस्था कर बच्ची को पिलाया। वहीं समाजसेवियों ने बच्ची को मेजा पुलिस को सौंप दिया।

समाधान दिवस : तहसील में अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

मेजा रोड। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर शनिवार को तहसील मेजा में जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री व पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण किया गया।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह व क्षेत्राधिकारी मेजा डॉक्टर भीम कुमार गौतम मेजा सर्किल के सभी प्रभारी कोरांव के प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह थाना मेजा के अरुण कुमार चतुवेर्दी व मांडा थाना के अवन कुमार दीक्षित तथा खीरी थाना के थानाध्यक्ष राजेश कुमार मर्या के अलावा हर बिभाग के जिला के अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृति व परंपराओं का संगम है भारत- प्रवीण पटेल

फूलपुर। भारत विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का संगम है। जिसके कारण विश्व मे हमारी अलग पहचान है। यह बातें रुद्रा संगम नसीरापुर स्थित मंदिर प्रांगण में नवमी को सिद्धिदात्री की पूजा के बाद आयोजित भजन संध्या में देवी भक्तों के बीच फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल ने गुरुवार रात कही। उन्होंने कहा कि ये आस्था ही है जो हमे सत्य का मार्ग प्रशस्त कराती है। भजन संध्या में महिलाओं द्वारा भोजपुरी, अवधी, गुजराती भजनों की लड़ी लगा दी गई। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।भजन संध्या का संचालन कवि अशोक श्रीवास्तव ने करते हुए अपने देवी गीत से श्रोताओं को भक्ति का रसपान कराया। कार्यक्रम में रुद्रा के संतोष सिंह व संतोष द्विवेदी ने माल्यार्पण कर फूलपुर विधायक का स्वागत किया। इस दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविशंकर पांडेय, संजीव सिंग, एससी शुक्ला, अभय खरे, आरपी सिंह, ड़ॉ मनोज गुप्ता, केएल श्रीवास्तव, डीबी सिंह, संजय कुमार पांडेय, केके श्रीवास्तव, एपी यादव, संजय गुप्ता, अनिल गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव दादा, सीएस सिंह आदि मौजूद रहे।

उमरी तालुका पुरवा में हुआ जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

करछना। तहसील के अंतर्गत ग्राम सभा उमरी तालुका पुरवा में जिला अस्तरी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और 21, टीमें ,भाग लिया जिसमें की दिल्ली नोएडा लखनऊ कानपुर उमरी बनारस बृहस्पतिवार कबड्डी का शुभारंभ करते हुए उमरी तालुका पुरवा के ग्राम प्रधान विद्या यादव ,, ने ,फीता काटकर खेल का उदघाटन किया, उदघाटन मैंच उमरी और दिल्ली की टीम ने खेला जिसमें दिल्ली की टीम उदघाटन मैंच अपने नाम कर लिया , इस ,मौके, परराम लखन यादव, हौसला प्रसाद यादव, बाबूजी यादव, विपिन कुमार, प्रमोद कुमार, निराज सिंह, शुभम सिंह, मनोज कुमार पटेल इंद्रजीत पटेल, एंपायर ,मुलायम पटेल ,अनीश आदि बडी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की बैठक संपन्न

लालापुर। क्षेत्र के पं. विष्णु राम तिवारी इंटर कालेज में शनिवार को महिला मोर्चा की बैठक संपन्न हुई।महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष कामना मिश्रा ने बैठक में मोदी सरकार द्वारा जनकल्याण की दिशा में उठाए गए कदम के बारे में बताते हुए कहा कि देश में बैंकों ने कैंप लगाकर वंचित लोगों के खाते खोलकर उन्हें बैंकिंग सुविधा से जोड़ने का काम किया। देश के गरीब भी गैस चूल्हे पर खाना बना सकें, इस मकसद से मोदी सरकार ने उज्ज्वला योजना का आगाज किया, इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों को मुफ्त में रसोई गैस दी गयी।मोदी सरकार ने हर घर को पक्की छत उपलब्ध कराने के दिशा में केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय 2018 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक करोड़ घरों के निर्माण लक्ष्य रखा, जिसे 2022 में पूरा किया जाना है।मोदी सरकार की इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों इलाके में पक्के मकान के लिए सरकार के द्वारा आर्थिक मदद दी जा रही है।ऐसे ही मोदी सरकार ने हर घर को बिजली पहुंचाने के लिए 2017 में सौभाग्य योजना की शुरूआत की थी,इस योजना के तहत हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया।देश के हर शख्स को बेहतर इलाज के लिए मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत पांच लाख रुपये का इलाज मुफ्त में होगा।कामना मिश्रा ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कहा कि महिला मोर्चा की पूरी टीम तैयार है,लोगों को उनके घर घर जा कर महिला मोर्चा की टीम जागरूक कर रही है ताकि आने वाले चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से जीत हासिल करे।इस दौरान जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा सविता शर्मा, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा कामना मिश्रा,भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष जय सिंह पटेल,जिला मंत्री प्रकाश शुक्ला, रमाकांत विश्वकर्मा,राजन प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

डीजे की धुन पर भक्तों ने किया मूर्ति विसर्जन

मेजा रोड। नवरात्र के अवसर पर सभी पंडालों में रखी दुर्गा मूर्ति विसर्जन का पवित्र व सम्मानजनक स्थान विकास खंड मांडा अंतर्गत ग्राम सभा भवानीपुर के देवरी मौजा में बना प्राकृतिक जलाशय गुलरिया बांध मूर्ति विसर्जन के लिए श्रद्धा व आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विगत वर्षों में उच्च न्यायालय के आदेश के बाद दुर्गा प्रतिमा स्थानीय जलाशयों में विसर्जित की जा रही हैं।इसी क्रम में इस वर्ष भी गुलरिया बांध में विभिन्न गांवों से लगभग 150 दुर्गा मूर्तियां विसर्जित की गई। सुरक्षा के लिहाज से मेजा कोतवाली से 3 उपनिरीक्षक गुरु प्रसाद प्रजापति,सुभाष कुमार यादव एकरामुल्ला और एक महिला सिपाही समेत 8 सिपाही तैनात थे। उपनिरीक्षक गुरु प्रसाद प्रजापति ने बताया की छोटी बड़ी कुल 150 मूर्तियां विसर्जित हुई थी।विसर्जन का कार्य देर शाम तक चलता रहा।उन्होंने बताया कि स्थानीय आयोजकों ने देर शाम को दुर्गा मूर्तियां विसर्जित की। एक ओर जहां भक्त दुर्गा मूर्तियों को ट्रेक्टर और मैजिक से ले जा रहे थे, वहीं एक दुर्गा मूर्ति को कल्टिवेटर युक्त ट्रेक्टर पर ले जा रहे थे जो लोगों के लिए कौतूहल का दृश्य बना रहा। इससे पूर्व भक्तों ने डीजे की धुन पर डांस करते हुए अपने अपने गांव में झांकी निकालते एक दूसरे पर अबीर गुलाल लगाते और नृत्य करते हुए पूरे गांव में भ्रमण किया। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं दुर्गा गीत गाती चल रही थी।इस मौके पर जिला अपराध निरोधक के सदस्य भानु पंडित और भवानी पुर के सामाजिक कार्यकताओं में रामप्रताप पांडेय,श्रीकांत शुक्ल,हरिंद्र सिंह,कमलेश शुक्ला,विनोद बिंद और लक्ष्मी नारायण समेत कई लोग पुलिस के सहयोग में लगे रहे।फिलहाल दुर्गा मूर्ति विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

तेज रफ्तार पिकअप ने दो किशोरियों को रौंदा हालत नाजुक

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व भीड़

अखंड भारत संदेश

हंडिया। थाना क्षेत्र के जंघई तरफ से हंडिया आ रही एक बेकाबू पिक अप ने दो किशोरियों को रौंदते हुए पलट गई। वहीं हादसे में दोनों की किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल किशोरियों को एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। कनकपुर हण्डिया निवासी ब्रह्म प्रकाश यादव जो एक किसान है। उसकी बेटी मानसी 9 वर्ष व नहटी सराय ममरेज निवासी जीत नारायण की बेटी अनीता 15 वर्ष जो अपने मौसा उमाशंकर यादव कनकपुर के यहां आई थी। मानसी और अनीता दोनों साथ में खेत में धान लेने के लिए जा रही थी। जैसे हण्डिया जंघई रोड पर पहुंची ही थी दोनो अपने पटरी से सही साइड से जा रही थी। वहीं जंघई की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बेकाबू पीकप ने किशोरी मानसी व अनीता को रौंदते हुए पलट गई। हादसे में दोनों किशोरिया गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हंडिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने पिकअप चालक को गिरफ्तार कर पिकअप को कब्जे में लिया। फिर हाल गंभीर रूप से घायल मानसी व अनीता की हालत नाजुक बताई जा रही है।

कार की टक्कर से अप्पे पलटी ,दो गंभीर रूप से घायल

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के सेमरी गांव के सामने शनिवार को रात लगभग आठ बजे प्रयागराज की तरफ जा रही अप्पे रुक कर सवारी ले रही थी कि अचानक फूलपुर की तरफ से आ रही तेज गति से कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे अप्पे पलट गई और उस पर सवार संगीता निवासिनी सहसों तथा विकास सिंह निवासी हरिराम सरैया बरना गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर हालत गंभीर बनी हुई है। टक्कर मारने वाली कार चालक सहित फरार हो गया।

इफको में निकला रामदल, राम के बाण से जला अहंकारी रावण

दशहरे मेले में विशालकाय रावण का पुतला रहा आकर्षण का केंद्र

रामदल के साथ निकली झांकी व धूं कर जलता रावण

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन जहां हम सबके लिए अनुकरणीय है वहीं पतिव्रता माता सीता का मर्यादित जीवन महिलाओं के लिए एक सीख है। उक्त बातें शुक्रवार को इफको मैदान में आयोजित दशहरा मेले में जुटे रामभक्तो को संबोधित करते हुए इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने बतौर मुख्य अतिथि कही। इफको के बच्चों द्वारा रामलीला मंचन में रामायण के पात्रों का अभिनय द्वारा सजीव चित्रण करने पर उन्होंने पात्रों की सराहना करते हुए इक्कीस हजार का नकद पुरस्कार दिया। इफको में बना रावण का विशालकाय पुतला दर्शको के आकर्षण का केंद्र रहा। देर रात रावण के विशालकाय पुतले का दहन कर जय श्री राम के उदघोष किया गया। इफको के मुक्तागन में विशालकाय अहंकारी रावण के पुतले को राम लक्ष्मण ने अग्नि बाणो से दहन किया तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। रामलीला के बाल कलाकारों में कुछ अच्छा प्रदर्शन करने की ललक देखी गई। कार्यक्रम का कुशल संचालन इफको रीक्रिएशन क्लब के सचिव अनिल यादव ने किया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष गिरधर मिश्रा, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय , महामंत्री विनय यादव, अधिकारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा,महामन्त्री स्वयं प्रकाश, संतोष शुक्ला, राजीव वर्मा,वीपी सिंह, रामबाबू जायसवाल, धर्मवीर संतलाल यादव के साथ ही भारी संख्या में रामभक्त मौजूद रहे।

जसरा में मनाया गया राम राज्याभिषेक

जसरा। जसरा में नौ दिन लगातार हुए रामलीला के बाद विजय दशमी दशहरा पर श्री ईश्वरदीन छेदीलाल धार्मिक प्रतिष्ठान जसरा में भगवान का राज्याभिषेक किया गया। भगवान के स्वरूप श्रीराम,सीता,लक्ष्मण और हनुमान जी की भव्य आरती रामलीला के संरक्षक सपत्नीक बाबू विश्वनाथ प्रसाद गुप्त ने किया। सैकड़ों वर्षों की परम्परा का अनवरत निर्वहन करते हुए बाबू जी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की लीला का गुणानुवाद करने से मनुष्य का जीवन भवसागर से पार हो जाता है। बाबू जी श्रीराम जी की आरती में मौजूद सैकड़ों लोगों को अंगवस्त्रम के साथ उपहार भेंट किया। इसी तरह रामलीला नाट्य समिति पुरानी बाजार के संरक्षक रतन केसरवानी ने भी श्रीराम स्वरूप का आरती वंदन किया।कार्यक्रम में पुरोहित छोटे लाल महाराज, विजय कुमार केसरवानी, सतीश चन्द्र केसरवानी चुच्चू बाबू, राजू केसरवानी,मनोज केसरवानी, जीतेन्द्र केसरवानी, नितिन केसरवानी,विश्वेश्वर नाथ मिश्र, गयाप्रसाद त्रिपाठी,लवकुश शुक्ल,महेन्द्र केसरवानी, अरूण केसरवानी, अकरम अली,चक्र धर द्विवेदी, आनंद जायसवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्रीराम लीला उत्सव के बीच युद्ध की लीला का मंचन किया गया

सिरसा। मेजा विधानसभा क्षेत्र नगर पंचायत सिरसा में श्री श्री रामलीला कमेटी श्रीराम लीला उत्सव के बीच युद्ध कि लीला का मंचन किया गया। विजय दशमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया बुराई पर अच्छाई का प्रतीक विजयदशमी का पर्व शुक्रवार को जिले भर में धूमधाम से मनाया गया शहर व ग्रामीण क्षेत्र में कई जगहों पर रावण ,मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतले का दहन हुआ। पुतला जलने से पहले लोगों ने खूब आतिशबाजी की सभी ने एक दूसरे को बुराई पर अच्छाई की जीत को दशार्ने के लिए मिठाई खिलाकर एक दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं भेंट की और मुसलमान भाइयों ने भी इस अवसर पर अपने हिंदू भाइयों को मिठाई खिलाकर तहे दिल से बधाई दी। इस अवसर पर नगर पंचायत सिरसा चेरमैन श्याम कृष्ण सिंह (पप्पू यादव) समाजवादी पार्टी विधानसभा अध्यक्ष मेजा ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी के आदर्शवादी और उदारता का गुण प्रत्येक व्यक्ति को अपनाना चाहिए और भगवान श्रीराम जी के आदर्श पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में मोनू मिश्र,ज्योति केशरी,लवकुश यादव,अनिल यादव, अरविंद यादव प्रधान,इम्तियाज अली,मंजेश सेठ,मुकेश महाजन, राजा अग्रवाल,सुशील केशरी,दीपू सिंह, रचित विश्वकर्मा, सिरसा पुलिस चौकी इंचार्ज जी अपने दल -बल के साथ मौजूद रहे।इसी तरह रामनगर में माँ शीतला धाम में दशहरा बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर, ग्रामपंचाय रामनगर ग्रामप्रधान प्रतिनिधि नीरज सिंह,यादव मोती लाल धनगर, देवेश यादव, राजेश पाल, ईश्वर चंद्र पाल, इंजीनियर इमितियाज अली,शमशेर यादव, डॉक्टर राजेन्द्र बिंद आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे। यहा भी पुलिस अपने पूरी तरह एलट रही।

मूर्ति विसर्जन दशहरा एवं सिर्फ महिलाओं का गुदरी का मेला सम्पन्न

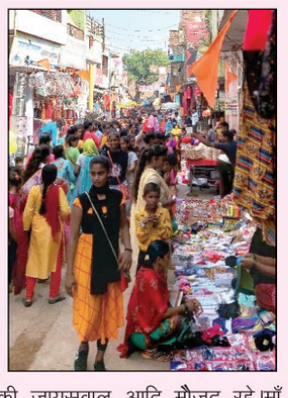

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र के चनेथू, चम्पापुर, महरछा, अनुवां, भेलखा, वारी, चौका, नेवादा, नेदुला, वारी आदि स्थानों की मूर्तियां गाजे बाजे एवं डीजे पर थिरकते भक्तों ने माँ के जयकारों के साथ पास की नदियों मे विसर्जन किया। वही जंघई के ऐतिहासिक दशहरा के सुबह लगने वाले महिलाओं के मेले मे महिलाओं की संख्या हजारों मे रही जिसमें महिलाओं ने जमकर खरीददारी की करीब पैसठ वर्ष पूर्व शुरू हुए मेले मे पुरुष प्रवेश पूर्णतया वर्जित होता है जिसमे सिर्फ पांच साल के बालक को जाने की छूट होती है।मेले की व्यवस्था महिला सिपाही और आयोजनकर्ता देखते है इस अवसर सराय ममरेज थानाध्यक्ष अमित राय, चौकी प्रभारी राजकुमार त्रिवेदी दल बल के साथ मौजूद रहे।इस अवसर पर हनुमान दल भरत मिलाप रोशनी चौकी कमेटी जंघई के अध्यक्ष सुधीर जायसवाल, पवन जायसवाल रामचन्द्र जायसवाल, विकास जायसवाल, मो.शेरु अहमद, संजीव व विक्की जायसवाल आदि मौजूद रहे।माँ विंध्यवासिनी भक्त मंडल साईवाटिका चनेथू मूर्ति विसर्जन मे अध्यक्ष प्रदीप कुमार दुबे, सुनील कुमार दुबे, दिलीप कुमार दुबे, उपाध्यक्ष रोहित कुमार दुबे, कोषाध्यक्ष परमिल दुबे, अनुज दुबे, सचिन दुबे, अक्षत दुबे, अभिषेक आदि भक्तगण मौजूद रहे।ववहीं नवदुर्गा पूजा चनेथू के विसर्जन मे पर प्रकाश डाला गया।इस अवसर पर संचालक छोटेलाल शुक्ला,अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ला पवन शुक्ला, विनय शुक्ला, सिन्टू शुक्ल, दयाराम मौर्य, कड़ेदिन मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

प्रतिमा विसर्जन देखने जा रहे अस्पताल संचालक की हादसे में मौत

प्रयागराज। जीटी जवाहर चौराहे के पास प्रतिमा विसर्जन देखने जा रह केसवानी हॉस्पिटल के मालिक चंदर केसवानी की शुक्रवार की रात सड़क हादसे में मौत हो गई। वह रात में नौ बजे के करीब स्कूटी से प्रतिमा विसर्जन देखने जा रहे थे। उसी समय डंपर की चपेट में आ गए। पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अलोपीबाग के रहने वाले चंदर केसवानी (60), केसवानी हास्पिटल के मालिक थे। उनके बेटे डॉ. मुकेश केसवानी हास्पिटल का संचालन करते हैं। चंदर शुक्रवार की रात स्कूटी लेकर घर से निकले। उन्होंने घर वालों को बताया था कि वह प्रतिमा विसर्जन देखने जा रहे हैं। वह जैसे ही स्कूटी लेकर जीटी जवाहर चौराहे से परेड की ओर बढ़े, डंपर की चपेट में आ गए। वह स्कूटी समेट डंपर के पहियों में फंस गए। डंपर काफी दूर तक उन्हें घसीटता गया। पता चलने पर ड्राइवर डंपर छोड़कर भाग निकला। क्रेन बुलवाकर डंपर को उठाया गया, इसके बाद चंदर को बाहर निकाला। उनकी हालत बेहद गंभीर थी। स्कूटी के भी टुकड़े टुकड़े हो गए थे। पुलिस चंदर को लेकर एसआरएन हास्पिटल पहुंची लेकिन उनकी मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर कीडगंज ने बताया कि डंपर के ड्राइवर को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गाड़ी सीज कर दी गई है।

पुलिस जीप चालक ने महिलाओ से की हाथापाई

घूरपुर। घूरपुर के बीकर गांव में पुतला दहन के दौरान घूरपुर थाने का पुलिस जीप चालक ने महिलाओ से हाथापाई कर दी। जिससे उग्र महिलाओ ने पुलिस जीप को घेर लिया। भारी उग्र भीड़ देख पुलिस सकते में आ गई। नजाकत देख एसओ ने माफी मांग उग्र लोगों को शांत करा मामला आगे बढ़ने से रोक दिया। उसके बाद लोगों ने पुलिस के सामने ही सरकार का पुतला दहन कर दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के नेत्रृत्व मे सैंकडों किसान मजदूरो ने शनिवार के दिन घूरपुर के बीकर गांव में सरकार की जन नीतियों के विरोध में रैली निकाल पुतला दहन करने का कार्यक्रम था।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन, शिलान्यास

बटन दबाकर परियोजनाओं का शिलान्यास करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व अन्य

भूमि पूजन करते उपमुख्यमंत्री व मौजूद वरिष्ठ नेता

कार्यक्रम स्थल पर रखे गए परियोजनाओं के सिलापट

- 4 लेन रेल उपरिगामी सेतु तथा 2 लेन फ्लाई ओवर सेतु के निर्माण कार्य का किया शिलान्यास
- परियोजनाओं के निर्माण कार्य पूर्ण होने पर प्रयागराज के विकास को मिलेगी गति
- फ्लाई ओवर ब्रिज के बन जाने से मिलेगी जाम से मुक्ति

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को कालिंदीपुरम में जीटी रोड से एयरपोर्ट रोड के निकट सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन के निकट 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु एवं जी0टी0 रोड जंक्शन पर चैफटका से कानपुर की तरफ 2 लेन फ्लाई ओवर सेतु के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमि पूजन कैबिनेट मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के साथ किया, जिसकी कुल लागत 28421.46 लाख रुपए है। 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु की कुल लम्बाई 1583.876 मी0 तथा 2 लेन सेतु की कुल लम्बाई 659.926 मी0 है। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री के साथ विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण बटन दबाकर किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रयागराज के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ विकास के कार्य किये है। इसी कड़ी में आज कई परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इससे शहर पश्चिमी ही नहीं पूरे प्रयागराज के विकास को गति मिलेगी एवं आमलोगो को जाम की समस्या से निजात मिलेगी और समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि शहर पश्चिमी से कौशाम्बी तक 4 लेन सड़क का निर्माण कराया जायेगा, इससे आस-पास के गांव के क्षेत्र भी तेजी से विकसित होंगे। इनर रिंग रोड का निर्माण का कार्य प्रगति पर है, जिससे शहर में जाम से लोगो को मुक्ति मिलेगी। हण्डिया से कोखराज तक 4 लेन मॉडल रोड बनाने जा रहे है। प्रदेश सरकार की विकास की नीति से जनपद में पर्यटन का तेजी से विकास हो रहा है। गंगा, यमुना एवं गुप्त सरस्वती के संगम में प्रदेश सरकार विकास की गंगा बहा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह सोच रही है कि हवाई चप्पल पहनने वाला आम इंसान भी हवाई यात्रा करें। इस सोच के प्रति कृतसंकल्पित होकर सरकार कार्य कर रही है। केन्द्र व प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है, जिससे गरीबों को उनका हक मिल रहा है। गरीबों की मिलने वाली सहायता राशि में बिचैलिओं के खेल को खत्म करते हुए सीधे योजनाओं के लाभार्थी के खाते में पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। केन्द्र व प्रदेश सरकार के द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं से हर गरीब परिवार को लाभान्वित कराया जा रहा है। आज गरीबों के पास उनका पक्का घर, गैस, बिजली, शौचालय तथा उनके पास मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड है, जिससे गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायता मिली है साथ ही किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि भी उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना जैसी महामारी से निपटने में प्रदेश अव्वल रहा है। कोरोना महामारी के दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया।

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि एयरपोर्ट का रास्ता सुगम बनाने के लिए सुबेदारगंज में रेलवे ओवरब्रिज एवं कानपुर रोड पर फ्लाईओवर के निर्माण की अति आवश्यकता थी। इस ब्रिज के बन जाने से राजरूपपुर, कालिंदीपुरम और झलवा की तरफ रहने वाली आबादी को जाम से मुक्ति मिलेगी साथ ही शहर पश्चिमी में विकास की गति को रफ्तार मिलेगी। एयपोर्ट से सीधे जुड़ने से पर्यटकों का आवगमन बढ़ने से नए रोजगार के द्वार खुलेंगे साथ ही नए उद्योगों की स्थापना के प्रति निवेशकों की संख्या बढ़ेगी। इस अवसर पर सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, सांसद इलाहाबाद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, जिला पंचायत अध्यक्ष वी0के0 सिंह, विधायकगणों के अलावा अन्य जन प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बहू ने कराई थी सास-ननद की हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस के गिरफ्त में हत्यारोपी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक थानाक्षेत्र के चक पुरे मिया खुर्द मिया का पूरा गांव में बुधवार की देर रात हुई मां-बेटी की हत्या का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस के अनुसार बहू ने ही इस हत्या की साजिश रची थी। पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश थी। मां-बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पिता बजरंग को मरा समझकर हत्यारों ने छोड़ दिया था। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बहू ने बताया कि बजरंग के बड़े बेटे की मौत हो गई थी। उसकी विधवा सलोनी देवी अपनी बच्ची को साथ रखना चाहती थी लेकिन परिवार के लोग तैयार नहीं थे। इसको लेकर काफी विवाद चल रहा था। सलोनी ने बताया कि मेरी सास व मेरी ननद मुझे मेरी बेटी अंशिका से मिलने नहीं देती थीं। फोन पर भी बात नहीं कराते थे।

पेड़ के रास्ते घुसे थे घर में

बताया जाता है कि सलोनी ने अपने पति के दोस्त शोभनाथ बिंद को पैसे का लालच देकर इस काम के लिए राजी किया था। घटना वाले दिन शोभनाथ को फोन कर-के गांव के बाहर बुलाया। फिर रात होने का इंतजार किया। रात होने पर हम दोनों पेड़ के सहारे छत के रास्ते घर में घुसे और चापड़ से इस घटना को अंजाम दिया। घटना को लूट का रूप देने के लिए बक्से तोड़े गए और जेवर निकाल लिए गए। तीन साल पहले पति की हुई थी मौत आरोपी सलोनी देवी के पहले पति चंद्रशेखर औद्योगिक थाना क्षेत्र के चकपुरे मियां खुर्द, मिया का पूरा गांव निवासी की 2018 को संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उसने आत्महत्या कर ली थी। दंपती को पुत्री पांच साल की अंशिका है। जो अपने बाबा-दादी के साथ गांव में ही रहती थी। वहीं बहू सलोनी देवी ने तीन माह पहले करछना निवासी रामबाबू पटेल से शादी कर ली थी। शादी के बाद वह अपनी बेटी को अपने साथ ले जाना चाह रही थी। इसको लेकर कई बार विवाद हुआ था।

पड़ोसियों के खिलाफ दर्ज है मुकदमा

घटना के बाद बजरंग के भतीजे ने पड़ोसियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें अभी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही पड़ोसी घर छोड़कर फरार हैं।

शंकरगढ़ ब्लॉक और सीएचसी का सीडीओ ने किया निरीक्षण

निमार्णाधीन कैंटीन देख सीडीओ ने जताई खुशी वहीं शौचालय का गड्ढा देख जताई नाराजगी, क्षेत्र के जनवा गांव का भी किया औचक मुआयना

शंकरगढ़। मुख्य विकास अधिकारी शीपू गिरि ने शनिवार को बारा तहसील दिवस में सहभागिता की। लोगों की शिकायत सुनने के बाद उन्होंने यमुनापार के विकास खंड शंकरगढ़ का औचक निरीक्षण भी किया। सीडीओ ने ब्लाक मुख्यालय पर बन रही कैंटीन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही जनवा का भ्रमण किया। ब्लाक मुख्यालय शंकरगढ़ पर निमार्णाधीन कैंटीन का कार्य देख सीडीओ ने कार्यदायी संस्था की तारीफ की, लेकिन अगले ही छड़ उनका पारा चढ़ गया। जब वह शौचालय का निरीक्षण करने पहुंचे। बताया जाता है कि शौचालय का गड्ढा काफी छोटा बनाया गया है, जिसे लेकर सीडीओ ने खासी नाराजगी जताई और मातहतों के साथ ही कार्यदायी संस्था को सख्त चेतावनी दी। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, वैक्सीनेशन सेंटर की जानकारी लेने के साथ ही डाक्टरों की उपस्थिति की जानकारी ली। सीएचसी अधीक्षक डा. शैलेंद्र सिंह ने सीडीओ को सभी जानकारी उपलब्ध कराई। इसके बाद सीडीओ का काफिला क्षेत्र के ग्राम जनवा पहुंचा, जहां सीडीओ ने विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। विजिट के दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ शैलेंद्र सिंह, डा. अनूप सिंह, एडीओ (पंचायत) रवींद्र चंद्र कुशवाहा, ग्राम विकास अधिकारी दीपेश सिंह समेत तमाम ब्लाक व स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी मौजूद रहे।

नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत मनाया गंगा दीपोत्सव

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज क्रियान्वित नमामि गंगे परियोजना और नई उम्मीद सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में दशहरा के खास मौके पर विकास खण्ड चाका के गंगा गांव पिपराओ में गंगा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें कई सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ,नवयुवकों/नवयुवतिया को अपने प्रतिभा देखने का अवसर प्रदान किया गया ' इस महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य गायन ,मां गंगा की आरती, दीप प्रज्वलित दीप दान कार्यक्रम आयोजित किया गया ' इस अवसर पर युवा मंडल अध्यक्ष निर्मल कांत पांडे ने ने सभी ग्राम वासियों से मां गंगा को स्वच्छ रखने की अपील की और कहा कि कोई भी व्यक्ति मां गंगा में मूर्तियां विसर्जित ना करें ' इस कार्यक्रम में जिन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी उनके नाम हैं स्वतंत्र कुमार, वैष्णवी, यामिनी, आलिया, अरमान, रंजीत, खुशी, दिव्यांस, ओमकार, हर्ष 'अंत में प्रधान पार्वती जी और राजेश कुमार जी द्वारा सभी कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किया गया। राजेश कुमार, दिनेश कुमार, जीतकुमार, गेंदालाल, सुरेश कुमार, रमेश कुमार, उमेश कुमार, जगदीश, कुलदीप यादव, संदीप आदिवासी, प्रभु नाथ, प्रभाकर, संदीप, मनोज, आदित्य, अतुल, रामधनी, ओम प्रकाश मिश्र, अनिल प्रकार, राम कृष्ण, श्याम कृष्ण, कमलेश कुमार, राम नारायण, बनवारी लाल, आदि लोगों की मौजूदगी रही । कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे एवं जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) एषा सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ।

करछना के डीहा में मूर्ति विसर्जन कराया समाज सेवी दूध नाथ यादव ने

करछना। नवरात्रि पूजा विसर्जन को लेकर गंगा तट घाट पर जेसेबी से छोटा सा तालाब का स्वरूप देकर गांव के प्रधान प्रतिनिधि व समाज सेवी दूध नाथ यादव ने क्षेत्र के पूजा पंडालों से आने वाली दुर्ग प्रतिमाओं का धूमधाम के साथ मूर्ति विसर्जन कराने में दिखा उत्साह दिखाया ,उनके इस कार्य से मूर्ति विसर्जन में शामिल लोगों नें सराहना की ।सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन के अलावा विकास खंड करछना के एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा ,एडीओ रामेश्वर सिंह सहित बडी संख्या में महिलाओं एवं युवकों और ननिहाल बच्चो नें नाचते-गाते बाजे के साथ झूमते हुए खुशी के माहौल में मॉ दुर्गा की मूर्ति विसर्जन में शामिल रहे ।

मूर्ति विसर्जन में प्रधान नजम सिद्दीकी ने बढ चढ़ कर भाग लिया

करछना। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कपठुआ के प्रधान नजम सिद्दीकी के साथ ग्रामीणो ने पूजा पंडाल से नाचते-गाते ढोल ताशो के साथ गांव के बाहर तालाब में बड़े धूमधाम से मा दुर्गा का विसर्जन किया गया । बड़े ही खुशी सौहार्द और गंगा जमुनी तहजीब के साथ ग्राम प्रधान नजम सिद्दीकी और अचुतानंद द्विवेदी महेन्द्र द्विवेदी इंद्रजीत वर्मा दिलीप द्विवेदी दयानंद द्विवेदी तमाम गणमान्य लोगों के बीच ग्राम कपठुआ का नवदुर्गा जागरण की मातारानी का मूर्ति विसर्जन किया गया जिसमें पुलिस प्रशासन भी मौजूद रही।

नम आंखों से महिलाओं ने माता का किया विसर्जन

जारी। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना के बाद गाजे-बाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन से शुरू हुई प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुक्रवार पूरे दिन तक चलता रहा। प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ विसर्जन जुलूस निकाल कर विसर्जित किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए मां के अंतिम दर्शन के लिए भक्तों का रेला उमड़ता रहा। तो वही ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगर तक प्रतिमा विसर्जन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती थी। जगह-जगह मां जगदम्बा की आरती उतारी गई और प्रसाद का वितरण किया गया। यात्रा के दौरान भक्तों का उल्लास देखते ही बन रहा था। आगे-आगे अबीर-गुलाल उड़ाते डीजे की धुनों पर थिरकती युवाओं की टीम चल रही थी तो पीछे-पीछे जय माता दी के जयकारों के साथ प्रतिमाएं निकल रही थीं। विसर्जन जुलूस जारी बाजार के प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर से उठकर जारी बस अड्डे से नहर चौराहे तक ले जाया गया उसके बाद सड़वा नहर में माता की प्रतिमा को विसर्जित किया गया।

नम आँखों से रस्तीपुर की दुर्गा मां के जयकारे के साथ मूर्ति विसर्जन

प्रतापपुर। जय श्री कृष्णा दुर्गा पूजा समिति रस्तीपुर, जय माँ चौरा देवी दुर्गा पूजा समिति गहरपुर के दुर्गा पंडालों में विधि विधान से नवरात्रि में पूजन अर्चन हवन प्रसाद का आयोजन हुआ ।नवरात्रि के समापन पर भक्तों द्वारा बोझिल एवं नम आँखों से दुर्गा माँ की विदाई की गई ।इस अवसर पर ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल एवं आईटीआई के निदेशक सतीश पाण्डेय, विजय नाथ तिवारी, अनूप पाठक, अखिलेश गुप्ता, मस्तमौला युवराज सिंह, रामचंद्र यादव, राज बहादुर यादव, होरीलाल पटेल, दयाशंकर पटेल, अशोक पटेल, महेन्द्र शुक्ला सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाजे-बाजे के साथ भक्तों ने की जगत जननी की विदाई

उतराव। उतरांव क्षेत्र में नव दुर्गा के समापन पर मां के नौ स्वरूपों प्रतिमाओं का विसर्जन विधि विधान से किया गया ।भक्तों द्वारा गाजे-बाजे के साथ पहले मां स्वरूपों की शोभायात्रा निकाली। जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शामिल हुए। शोभा यात्रा जगतपुर ,उतरांव पयागीपुर मोहम्मदपुर कोटिया इनायतपट्टी, ब्यूरा,भदवा, जलालपुर, बलीपुर, ढोरहा, बलरामपुर, बरेठी, बसगित आदि दर्जनों से ज्यादा गांव में शोभा यात्रा निकालते हुए गलियों का भ्रमण करते हुए नदिया नहर व तालाबों में विसर्जन किया गया। सुहागिन महिलाओं ने मां के पैर अर्पित सिंदूर की पोटली को आपस में वितरित कर अखंड सौभाग्यवती होने का आशीष मांगी। वही नवयुवक दुर्गा कमेटी सरायबंसी में दुर्गा प्रतिमा की विदाई में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष व बच्चे शामिल होते हुए माता को नम आंखों से विदाई दिया। सुरक्षा व्यवस्था में उतराव पुलिस विसर्जित हो रहे हर तालाबों पर उपस्थित रही। यहां पर ग्राम प्रधान श्याम गुप्ता,आनंद कुशवाहा,सुरेश मास्टर,युवा नेता संदीप भोजवाल,राहुल कुशवाहा, रुधिर,जगदीश पाल,अरविन्द कुशवाहा,कमेटी अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा,प्रमोद गुप्ता,अतुल गुप्ता,योगेश पाल,अर्पित पाल, सर्वेश पाल,अखिलेश प्रजापति,डब्लू, ताराचंद,उदय राज आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन लड़ेगी किसानों के अधिकार की लड़ाई,, राजू चौबे

कोरांव। तहसील कोरांव अंतर्गत दिन शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन(भानू) कार्यालय कोरांव में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पवन कुमार चतुवेर्दी उर्फ राजू चौबे का प्रथम नगर आगमन पर यूनियन के कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा एक बैठक आहूत कर फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर किसान नेता राजू चौबे उपस्थित लोगो का आभार व्यक्त करते हुए बैठक को संबोधित किया की आज देश का किसान अपने अधिकार की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहा है और शासन की उदाशीनता से दिन प्रतिदिन किसानों में शासन के प्रति रोष बढ़ता ही जा रहा है जिस पर सरकार को किसानों के समस्याओं पर गहनता से विचार विमर्श करना चाहिए ।किसान नेता ने स्थानीय स्तर पर किसानों की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा की जहां एक ओर किसान आवारा पशुओं के आतंक से परेशान है वही दूसरी ओर उपरौध क्षेत्र के अधवा नहर के माइनरो में पानी न आने से क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा सिंचाई से वंचित रह जाता है जिसके कारण किसान धीरे धीरे भुखमरी के कगार पर पहुंच रहा है यदि सक्षम अधिकारी इस समस्या का तत्काल निराकरण नही करते है तो भारतीय किसान यूनियन(भानू)के लोग कोरांव में ऐतिहासिक किसान महापंचायत करने को बाध्य होंगे किसान नेता ने सोशल मीडिया पर चल रहे खबरों का हवाला देते हुए कहा की आगामी 31अक्तूबर को मौके पर खीरी थाना अंतर्गत डिहार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव पटेल बतौर मुख्य अतिथि शामिल होगे जिस पर किसान यूनियन के लोगो द्वारा विरोध जताया जायेगा किसी भी दशा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होने दिया जाएगा। इसी क्रम में किसान नेता प्रकाश पटेल मंडल सचिव भाकियू(भानू) ने कहा की आधार कार्ड बनने में असुविधा और आधार कार्ड बनाने वालो द्वारा खुलेआम हो रही लूट से किसानों का सत्यापन नही हो पा रहा इसके संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बाद भी मूकदर्शक बने हुए है जिससे यह यह स्पष्ट होता है की उक्त लोगो को अधिकारियों की मौन सहमति प्राप्त है जिसके कारण अवैध ढंग से आधार कार्ड बनाने वालो का हौसला बुलंद है जो की निंदनीय है। बैठक में मुख्य रूप से चर्चित किसान नेता राजेश पांडे कामता प्रसाद यादव पूर्व प्रधान पुष्पराज शुक्ला ब्लाक अध्यक्ष कमलेश मिश्रा किसान नेता मनीष जायसवाल मंगला कोल रविंद्र जैसल शंभूनाथ शुक्ल हरि शंकर मिश्रा पूर्व प्रधान दुर्घट मिश्रा अमित पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

शंकरगढ़: राज दरबार में आवाम ने पेश किया नजराना

आलोक गुप्ता

राजसी वेशभूषा में नजर आए राजा महेंद्र प्रताप सिंह, राजघराने की 34 पीढ़ी से अनवरत चली आ रही परंपरा का किया गया निर्वहन, तीन दिनी मेले का शुभारंभ

राजसी वेशभूषा में नजर आए राजा महेंद्र प्रताप सिंह

शंकरगढ़। विजयदशमी के मौके पर आवाम ने अपने राजा को नजराना पेश किया। बदले में राजा ने भी आमजन से हाल-चाल जाना और पान का बीड़ा पेश किया। इसी के साथ ही शंकरगढ़ के ऐतिहासिक तीन दिन चलने वाले दशहरा मेले का भी शुभारंभ किया गया। कसौटा (शंकरगढ़) राजघराने की यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। मौजूदा राजा महेंद्र प्रताप सिंह कसौटा स्टेट के 34वें राजा हैं। यह स्टेट उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित है। सदियों से चली आ रही परंपरा को बरकरार रखते हुए शंकरगढ़ राज परिवार ने राजसी अंदाज में दशहरा पर्व का शुभारंभ किया। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने दशहरा के दिन राजघराने के ध्वज (झंडे) की पूजा की। इसके बाद अस्त्र पूजन हुआ। शाम को पुरानी परंपरा के अनुसार राजगद्दी की पूजा-अर्चना की गई। आवाम के लिए राजभवन, दरबार को दुल्हन की तरह सजाया गया था। रात में राजा महेंद्र प्रताप सिंह अंगरक्षकों के साथ राजसी पोशाक में प्रजा से मिलने पहुंचे। यहां राजगद्दी पर आसीन होने के उपरांत परंपरानुसार राजा ने अपने खानदान (बघेल परिवार) के सदस्यों से मिलकर कुशलता जानी। इसके उपरांत आवाम ने उन्हे नजराना पेश किया। इस कार्यक्रम में युवराज शिवेंद्र प्रताप सिंह, नारसिंह सोलंकी कामदार साहब, प्रधानाचार्य अनयप्रताप सिंह, हरिनाथ सिंह बघेल, प्रेमशंकर पांडेय, सूर्यनिधान पांडेय, मूलेंद्र प्रताप सिंह, नरेंद्रमणि त्रिपाठी, औसाफ अली, गोपालदास गुप्ता, राम खेलावन गुप्ता, चतुर्भुज दास गुप्ता, अनूप केसरवानी, कमलाकर सिंह, सीपी सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, पंडित त्रियुगीकांत मिश्र, पंडित विकास द्विवेदी, चंद्रमणि त्रिपाठी, पूर्व प्रधान अरुण सिंह, गजेंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए। संचालन गुलाब सिंह ने किया।

राजभवन में शुरू हुआ तीन दिनी ऐतिहासिक मेला

शंकरगढ। राजभवन में राज दरबार लगने के बाद यहां के ऐतिहासिक तीन दिनी मेले का शुभारंभ हो गया। मेले में पहले दिन और दूसरे दिन (शनिवार) गांव के लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस मेले में शंकरगढ़ क्षेत्र के अलावा चित्रकूट और मध्य प्रदेश के समीपवर्ती गांवों के सैकड़ों लोगों कीभीड़ देखने को मिली। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लिया। जबकि तीसरे दिन(रविवार) का मेला नगर वासियों के लिए होता है। बच्चों ने जहां खेल-खिलौने खरीदने में दिलचस्पी दिखाई, वहीं महिलाओं की भीड़ श्रृंगार की दुकानों के साथ घरेलू वस्तुओं की दुकानों पर देखी गई। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए थानाध्यक्ष बृजेश सिंह, एसआई ऋतुराज सिंह,एस आई अंकुश कुमार अपनी टीम के साथ डटे रहे।

राम का वाण लगते ही अहंकारी रावण का पुतला धू-धूकर जला

जमकर हुई आतिशबाजी, पूर्व सांसद, विधायक ने विजयी राम की उतारी आरती

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शुक्रवार की शाम लगभग सवा छह बजे नगर के रामलीला मैदान में हजारों श्रद्धालुओं, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच अहंकारी 50 फिट का रावण का पुतला भगवान राम के वाण से धू-धू कर जल उठा। रावण का पुतला जलते ही उपस्थित जनसमुदाय के जय श्रीराम के नारे से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। फिर क्या था? अहंकारी रावण मारा गया और भगवान राम विजयी हुए। इसको लेकर जमकर आतिशबाजी हुई।

इस अद्भुत दृश्य को देखते हुए पूर्व सांसद राजकुमार रतन सिंह, विधायक राजकुमार पाल, पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, जिलाधिकारी नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के अलावा रामलीला समिति के पदाधिकारी तथा हजारों की जनता प्रफुल्लित हो उठी।

इसके पहले रामलीला समिति द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपरान्ह चार बजे राम रथ गोपाल मंदिर से निकलकर चौक होता हुआ रामलीला मैदान पहुंचा, जहां हजारों की संख्या में जनता राम रावण का युद्ध देखने के लिये पहले से मौजूद थी। रामलीला मैदान में कुछ समय तो राम रथ व रावण रथ के बीच तीर वाण चलते रहे। राम रथ के साथ वानरी सेना थी तो रावण के पास केवल अपनी ताकत का अहंकार।

बहरहाल राम-रावण के युद्ध के बीच शाम 6ः14 बजे राम के वाण से रावत का पुतला धू-धूकर जल गया। अहंकारी रावण का पुतला जलने के बाद आतिशबाजी का कम्प्टीशन हुआ जिसका आनंद जनसमुदाय ने उठाया। राम की विजय के बाद पूर्व सांसद राजकुमारी रतन सिंह, विधायक राजकुमार पाल, पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, संरक्षक जय नारायण अग्रवाल, रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष श्याम शंकर सिंह, उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल, मंत्री विपिन गुप्ता व मेला प्रभारी गंगू प्रदीप ने भगवान राम की आरती उतारी। रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व सांसद राजकुमारी रतन सिंह, विधायक राजकुमार पाल, डीएम नितिन बंसल, एसपी सतपाल अंतिल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिये आभार जताया। भगवान राम का विजय रथ चिलबिला, चौक होते हुए गोपाल मंदिर वापस लौट आया।

कालाकांकर में दुर्गा प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवरात्रि के समापन पर दशमी के दिन शुक्रवार व शनिवार को कालाकांकर गंगातट किनारे व नवाबगज गंगातट किनारे प्रशासन द्वारा खोदे गए गड्ढों में 59 दुर्गा प्रतिमाओं के साथ अन्य प्रतिमाओं को स्थानीय पुलिस की देखरेख में विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान परियावां मातामैया धाम की मूर्ति विसर्जन में थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह व एस आई सुरेंद्र सिंह,एस आई रामअधार यादव अपने सहयोगी पुलिस कमिर्यो व महिला पुलिस कमिर्यों के साथ मुस्तैदी से डटे रहे। परियावां माता मइया धाम की मूर्ति विसर्जन में एस आई राम आधार यादव अपने समस्त महिला पुरुष स्टाफ के साथ पैदल शोभा यात्रा में परियावां नवाबगज आलापुर होते हुए कालाकांकर घाट तक सकुशल विसर्जन सम्पन्न कराया।

असत्य पर सत्य की जीत की प्रेरणा देता है महापर्व : प्रमोद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विजयादशमी पर्व अंचल मे धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन कर विजयादशमी पर बाबा व रामदरबार मे मत्था टेका। इधर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा सीडब्लूयूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने भी विजयादशमी के पर्व पर लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दशहरे पर जारी संयुक्त बयान मे प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने कहा कि नवरात्रि का पर्व जहां मातृ शक्ति का द्योतक है, वहीं दशहरा का विजय पर्व हमें पाप पर पुण्य तथा असत्य पर सत्य एवं बुराई पर अच्छाई की जीत का जीवन के प्रति प्रेरणा का संदेश देने वाला महापर्व है।

भरत मिलाप पर नहीं लगेगा चिलबिला में मेला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला सेवा समिति ने व्यापार मंडल अध्यक्ष के निधन के कारण भरत मिलाप के दिन आयोजित सभी कार्यक्रम को निरस्त करने का सर्वसमिति से निणर्य लिया। भरत मिलाप की रात्रि को चिलबिला चौराहे पर होने वाले मेला संचालन का कार्यक्रम भी निरस्त किया गया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष स्व. कृष्णमोहन गुप्ता के निधन पर श्री रामलीला सेवा समिति द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। सभा में उपस्थित भाजयुमो के निवर्तमान जिलाध्यक्ष व रामलीला सेवा समिति के महासचिव रवि गुप्ता ने कहा कि स्व. कृष्ण मोहन उमर वैश्य सदैव व्यापारियों की समस्याओं के लिए संघर्ष करते थे। इस मौके पर श्री रामलीला सेवा समिति के संस्थापक घनश्याम वैश्य, समिति के अध्यक्ष पंकज गुप्ता, लक्ष्मीपति शाह, बृजेश प्रजापति, अजय गुप्ता, संतोष मोदनवाल व रोहित उमर वैश्य मौजूद रहे।

विजय दशमी पर आरएसएस ने किया शस्त्र पूजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयदशमी के अवसर पर जिले के सभी खंडों में विजयदशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय ने कहा कि विजयदशमी का उत्सव शौर्य, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। यह असत्य पर सत्य की विजय के साथ साथ धर्म की स्थापना का पर्व है। इस अवसर पर रमेश चंद्र त्रिपाठी, चिंतामणि दुबे, हरीश कुमार, प्रतोष कुमार, कार्तिकेय द्विवेदी, प्रभा शंकर पांडेय, शीतांशु ओझा, मुरलीधर केसरवानी, नितेश खंडेलवाल, कृष्ण देव सिंह, रवि कुमार, दिनेश अग्रहरी, राजेश जायसवाल, शशिभाल त्रिपाठी, अंकुर श्रीवास्तव, सवैत्तम पांडेय, संदीप रावत, डॉक्टर पीयूषकांत शर्मा, डॉ चक्रपाणि उपाध्याय, डॉक्टर रंगनाथ शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

स्वतंत्रता आंदोलन में डॉ0 त्रिपाठी के योगदान को देश कभी भूल नहीं सकता : हेम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी साहित्य महारथी विधि वेता कई शैक्षणिक संस्थाओं के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर राजेश्वर सहाय त्रिपाठी का जन्म दिवस समारोह संस्थापक दिवस समारोह के रूप में त्रिपाठी निकेतन सदर बाजार पर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ संगम लाल तिवारी भंवर व संचालन युवा साहित्यकार रविंद्र अजनबी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संचेतना साहित्यिक संस्था के संस्थापक वरिष्ठ साहित्यकार दयाशंकर शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय पंडित जी व्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व थे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व प्राचार्य एवं कई शैक्षणिक संस्थाओं के संस्थापक डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि स्वर्गीय पंडित जी

एक संघर्षशील व्यक्ति थे उन्होंने संघर्ष करके कई शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना इस जनपद में की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रिटायर्ड खंड विकास अधिकारी समाजसेवी शिव मूर्ति त्रिपाठी एवं पूर्व प्रधानाचार्य अवध बिहारी शुक्ला ने भी पंडित जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। महामंत्री अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात ने आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के सह प्रदेश संयोजक ओम प्रकाश त्रिपाठी, पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता पंडित राधे कृष्ण त्रिपाठी, विजय प्रताप त्रिपाठी, विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट, डॉ0 अनूप कुमार पांडे, गजेंद्र सिंह बिकट आदि मौजूद रहे।

सामुदायिक शौचालय मे चोरी, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर विकासखण्ड के चमरूपुर शुक्लान मे सामुदायिक शौचालय से समर्सिबल पम्प एवं केबल, पाइप, टोंटी, वायरिंग आदि कीमती सामान के गायब हो जाने से हडकंप मच गया। ग्राम प्रधान इंद्रावती ने जेठवारा थानाध्यक्ष को दी गई तहरीर मे कहा है कि वह सामुदायिक शौचालय की देखरेख किया करती है। शनिवार की सुबह जब वह सामुदायिक शौचालय पहुंची तो देखा कि शौचालय का ताला तोडने का प्रयास बीती शुक्रवार की रात किया गया। अज्ञात चोरों ने सामुदायिक शौचालय के समर्सिबल मे लगे उपकरण को उड़ा ले गये। जेठवारा पुलिस का कहना है कि तहरीर की जांच कर कडी कार्रवाई की जाएगी।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहा सर्वांगीण विकासः धीरज ओझा

लच्छीपुर बाजार में महिला मोर्चा कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

प्रपतागढ़। रानीगंज मंडल की महिला मोर्चा के कार्यसमिति की एक बैठक लच्छीपुर बाजार में संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पिंकी दयाल जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा व जिला अध्यक्ष भाजपा हरिओम मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रानीगंज विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा रहे। संचालन मंडल अध्यक्ष वंदना तिवारी ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के उत्थान हेतु अनेक योजनाएं संचालित किया है, जिसमे आजीविका मिशन मे उत्तर प्रदेश

प्रथम स्थान पर है। विशिष्ट अतिथि रानीगंज के विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने कहा कि समूचे देश एवं प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी एवं सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सर्वांगीण विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए निरन्तर प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि ग्यारह सौ करोड़ रुपए से रानीगंज विधानसभा में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को संचालित करने का कार्य सूबे मुखिया योगी आदित्यनाथ के सहयोग से करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में किए गए अपने द्वारा कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रमिला शुक्ला, सुमन मिश्र, नीलम गौतम, शांति गौतम, किरण प्रजापति, पुष्पा श्रीवास्तव, लाडो चौरसिया, विजयलक्ष्मी, माधुरी सरोज सहित पूरी कार्यसमिति उपस्थित रही।

जलभराव व विद्युत कटौती से नाराज वकीलों ने एसडीएम को सौपा ज्ञापन

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील परिसर मे जलभराव तथा शौचालय समेत सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी आदि समस्याओं को लेकर वकीलों ने सम्पूर्ण समाधान दिवस मे एसडीएम को ज्ञापन सौपा। वकीलो मे सबसे ज्यादा आक्रोश इधर नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रो मे लगातार विद्युत आपूर्ति मे अवरोध को लेकर देखी गई। संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय तथा महामंत्री प्रवीण यादव के नेतृत्व मे दिये गये ज्ञापन मे अधिवक्ताओं का कहना है कि बिजली आपूर्ति बराबर न होने से छात्रों तथा काश्तकारों व किसानों एवं व्यापारियों समेत सभी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि तहसील मे गंदगी तथा जलभराव व लालगंज चौक पर डग्गामारी और अतिक्रमण के चलते भी लोगों को रोज परेशानी झेलनी पड़ रही है। एसडीएम राहुल यादव ने अधिवक्ताओ को समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाकर शांत कराया। वहीं सीओ सदर पवन त्रिवेदी ने चौक पर डग्गामारी के नियंत्रण कराए जाने की बात कही।

सरकार कर्मचारियों के भविष्य के साथ कर रही खिलवाड़ः लालजी त्रिपाठी

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को न्याय के लिये कांग्रेसियों ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भ्रष्ट माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज मंडल प्रयागराज की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए जिससे माध्यमिक शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को न्याय मिल सके। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लेकर जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई, जिसका संचालन शहर अध्यक्ष इरफान अली ने किया। जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि सरकार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। प्रतापगढ़ सदर कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि प्रयागराज मंडल के माध्यमिक शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोनन्ति न करना सरकार और विभाग के भ्रस्टाचार को दर्शाता है। बैठक में वेदान्त तिवारी, डा0 वी0के0सिंह, अजीत प्रताप सिंह,

हरिश्चन्द्र सरोज, शिवम मिश्र, कृष्ण कांत शुक्ल, योगेश यादव, मो0 दिलशाद सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

महिला किसान दिवस पर महिलाओं को किया गया जागरूक

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में जनपद के विभिन्न विकास खण्ड से आये लगभग 282 कृषक महिलायें व मुख्य अतिथि के रूप में ऐठू ग्राम सभा की प्रधान केशा देवी व बैक सखी सावित्री देवी उपस्थित रहीं। यह कार्यक्रम महिलाओं के पोषण, आय अर्जन, कृषि में सहभागिता, निणर्य क्षमता एवं सामूहिक कृषि एवं पशुपालन कार्य पर सेमिनार, प्रशिक्षण, गोष्ठी तथा प्रदर्शनी के माध्यम से करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर केन्द्र की गृह वैज्ञानिक स्वाती दीपक दुबे ने जानकारी दी। इस अवसर पर कल्पना, क्रान्ती, अकांक्षा, मोहिनी माधुरी सालिनी, अन्तिमा, ज्योती, रेनू, शिव देवी व कृषि विज्ञान केन्द्र के डा0 नवीन सिंह, डा0 भाष्कर शुक्ला, स्वाती दीपक दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

सामाधान दिवस में 119 शिकायतों मे तीन का निस्तारण

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस मे शनिवार को एक सौ उनन्नीस शिकायतों मे तीन का त्वरित निस्तारण किया गया। एसडीएम राहुल यादव की अध्यक्षता मे हुए समाधान दिवस मे सर्वाधिक शिकायतें राजस्व की बासठ रहीं। इसके अलावा पुलिस-उन्तीस, विकास विभाग-दस, बेसिक शिक्षा-एक व अन्य सत्रह रहीं। एसडीएम ने मातहत अफसरों को समस्याओं के मौके पर जाकर निस्तारण कराए जाने को कहा। एसडीएम ने अफसरों को यह भी आगाह किया कि रेण्डम चेकिंग मे शिकायतों का निस्तारण फरियादियों की संतुष्टि के अनुरूप निष्पक्ष नही मिला तो जिम्मेदार के खिलाफ डीएम को कार्रवाई के लिए रिपीट भेजी जाएगी। सीओ सदर पवन त्रिवेदी ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई की। संचालन नायब तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा ने किया। इस मौके पर ईओ सुभाषचंद्र सिंह, बीडीओ लालगंज मुनव्वर खां, बीडीओ सांगीपुर समा सिंह, बीडीओ दिनेश यादव, अधीक्षक डा. अरविंद गुप्ता आदि रहे।

विसर्जन के दौरान सई में समाया युवक, कोहराम

सई नदी मे चार युवकों के नहाते समय हुआ हादसा, तीन बाल-बाल बचे

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान सई मे अचानक समा जाने से युवक की मौत हो गयी। घर मे अकेले बेटे की मौत की जानकारी होते ही परिजनों मे कोहराम मच गया। शुक्रवार को पूर्वान्ह करीब ग्यारह बजे लालगंज कोतवाली के कैथौला घाट के समीप श्रद्धालु दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कर रहे थे।

इस बीच गांव के ही दलबहादुर सिंह के पुत्र अंकुर 19 के समीप घाट पर नदी मे गहरे पानी मे डूबने की लोगों को जानकारी हुई। अंकुर के साथ नहाते समय गांव के ही अभय कुमार 17 पुत्र रामलाल, आकाश 16 पुत्र शिवशंकर, अनुज 17 पुत्र कल्लू भी डूबने लगे। युवकों की चीखपुकार पर विसर्जन के दौरान मौजूद ग्रामीणों ने सई मे छलांग लगाई। ग्रामीणों के अथक प्रयास से अभय तथा आकाश व अनुज को तो सुरक्षित नदी से निकाल लिया गया किंतु अंकुर सिंह की डूबने से मौत हो गयी। हालांकि ग्रामीणों ने अंकुर का भी शव निकाला। अंकुर की मौत की सूचना परिजनो को हुई तो कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी मे मृतक के शव का पंचनामा किया। घटना को लेकर मृतक के पिता दलबहादुर ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर घटना को आकस्मिक बताते हुए किसी विधिक कार्रवाई से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शनिवार को मृतक अंकुर का श्रृंगवेरपुर प्रयागराज मे गंगा तट पर अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक अंकुर अपने घर मे अकेला पुत्र था। उसकी बहन की शादी हो चुकी है। वहीं मृतक की मां सरला भी घटना को लेकर बदहवाश दिखी। घटना के बाबत लालगंज कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि नदी मे नहाते समय युवक की हुई मौत को लेकर परिजन कोई कार्रवाई नही चाहते थे। विसर्जन के दौरान युवक की मौत को लेकर देवीभक्तों के भी चेहरे पर मायूसी छा गयी।

एसटीएफ ने तीन को उठाया

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना के मुरस्सापुर नवाबगंज से प्रयागराज की एसटीएफ तीन लोगों को किसी मामले में पकड़ कर अपने साथ ले गई जिसका कारण पता नहीं चल सका। इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि मुझे इस बारे मे किसी प्रकार की कोई जानकारी नही है।

खबर संक्षेप

शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास अंडर ग्राउंड पुल चालू

टेडीमोड कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के हावड़ा दिल्ली रेल लाइन के शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास अंडर ग्राउंड पुल चालू हो गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव मौर्या के पहल पर रेलवे लाइन पर अंडरग्राउंड पुल बनाया गया था जो बनकर तैयार हो गया है। राहगीरों को आने जाने के लिए सुविधा मिल गयी है आज दिनांक 15 अक्टूबर विजयादशमी के पर्व पर सुबह से राहगीरों के लिए अंडर पास पुल से आवागमन चालू हो गया है।

शिक्षक से दिनदहाड़े लूट

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के मकदूमपुर चौकी अंतर्गत तियरा मोड़ के पास शनिवार की दोपहर बाइक सवार शिक्षक को बदमाशों ने तमंचा के बल पर अपाची गाड़ी समेत मोबाइल और नकदी लूट लिया शिक्षक ने मामले की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से किया है। पुलिस मामले की छान बीन में जुटी है। दिन दहाड़े हुई वारदात से इलाके में सनसनी फैली हुई है। जानकारी के मुताबिक शिक्षक कंधई सिंह निवासी चन्द्रसेन बाइक से कही जा रहे थे जैसे ही शिक्षक तियरा मोड़ के पास पहुँचे लुटेरों ने शिक्षक को रोककर अपाची गाड़ी एक मोबाइल फोन नगदी छीन लिया और फरार हो गए।

मंझनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

आई0जी0आर0एस0 के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के डीएम ने निर्देश

समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुनते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में तहसील मंझनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होनें भूमि विवाद सम्बन्धित शिकायतों को राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर भेजकर निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होनें सभी अधिकारियों को आई0 जी0 आर0 एस0 के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शशिकान्त त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर, उप जिलाधिकारी प्रखर उत्तम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे जिले के दो अन्य तहसील सिराथू और चायल में उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में समाधान दिवस आयोजित हुआ।

तहसील परिसर से तखत गायब होते ही उबले अधिवक्ता

कौशाम्बी। तहसील चायल परिसर में चोरी का सिलसिला आम बात होता नजर रहा है जिस पर किसी प्रकार का कोई अंकुश अधिकारियों द्वारा नही लगाया जा रहा है जिसकी वजह से दिनोदिन चोरो के हौसले बुलंद होते नजर आ रहें है।इसी वजह से बीती रात चोरों ने तहसील परिसर में अधिवक्ताओ के चेम्बर में रखी तखत पार कर दिया व सभी बेंच का ताला तोड़कर फेक दिया।जब सुबह अधिवक्ताओ ने आकर देखा तो उनका होश उड़ गए तो इसकी सूचना अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मान सिंह पटेल व महामंत्री सगीर अहमद को दी तो बार के अध्यक्ष समेत सभी अधिवक्तागण ने इसकी शिकायत उपजिलाधिकारी चायल से करते हुए कहा कि रात्रि में गश्त कर रहे होमगार्ड को बुलाकर तत्काल इसके बारे में जानकारी लेते हुए चोरो को पकड़कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें व परिसर के अंदर हाई मास्क लाइट की व सीसीटीवी कैमरे की मांग करते हुए कहा कि उसको तत्काल लगवाए वरना सभी अधिवक्तागण धरने देकर कार्यो को बहिस्कृति करेंगे चायल चौकी इंचार्ज अलोक कुमार मौके पर पहुँचे जांच पड़ताल करते हुए आश्वाशन दिलाया कि जल्द ही चोरो को पकड़कर कार्यवाही की जाएगी।इस मौके पर तहसील बार के अध्यक्ष मान सिंह पटेल, महामंत्री सगीर अहमद,घनश्याम कुमार,राधेमोहन पटेल,अमर सिंह यादव,धर्मराज ओझा,सुरेंद्र ,राकेश,धनंजय सिंह,सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ताओ ने परिसर में सीसीटीवी कैमरे व हाईमास्क लाइट की व्यवस्था के लिए उपजिलाधिकारी से किया मांग

पत्नी व साले ने ससुराल गये युवक को पीट कर किया मरणासन्न

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के तैय्यब पुर गुवारा गांव में अपनी ससुराल गए एक युवक को उसकी पत्नी और साले ने बेरहमी से पीट दिया है जिससे युवक गम्भीर घायल हो गया है बेहोशी हालात में घायल युवक को इलाज कराने के बजाए ससुरालीजन ईरिक्सा से मंडी समिति ओसा में फेंक कर फरार हो गए है मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर मंझनपुर कोतवाल दल बल के साथ ओसा मंडी समिति पहुँचे और घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक राज बाबू पुत्र साधू की ससुराल तैय्यब पुर गुवारा गांव में है वह अपने ससुराल गया था जहां उसकी पत्नी सालों ने उस पर बेरहमी से हमला किया जिससे राज बाबू गंभीर घायल हो गया बेहोशी हालत में एक ई रिक्शा के सहारे मंडी समिति में उसे बेहोशी हालत में ससुराली जन फेंक कर फरार हो गए मामले की जानकारी उसके मामा आढ़ोली गांव निवासी सदाशिव को हुई तो उन्होंने मामले की सूचना आसपास के लोगों को दी आसपास के लोगों ने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जानकारी मिलने के बाद मौके पर मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के भक्तन का पुरवा निवासी राम बहादुर पुत्र जगतपाल भी पहुंच गए हैं।

न्यूज झरोखा

ट्रेनकी चपेट में आने से अधेड़ की मौत

मौत की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण

इमामगंज कौशाम्बी। कोखराज अंतर्गत मूरतगंज चौकी के समीप जीवन गंज रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गयी है। जानकारी के अनुसार देव चंद्र उम्र 35 वर्ष लगभग पुत्र राजाराम निवासी अशरफ पुर थाना कोखराज शनिवार की सुबह शौच के लिए खेत की ओर गए थे काफी देर तक वापस ना लौटने पर परिजनों ने उसे काफी ढूंढा मगर वह नहीं मिला जब कुछ ग्रामीणों ने लाइन के किनारे पड़ी लाश को देखा तो उन्होंने फोन कर पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची,और मृत पड़ी लास की शिनाख्त की जैसे परिजनों को इस घटना की सूचना मिली तो परिजनों में कोहराम छा गया पुलिस ने लाश को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अनियंत्रित तेज रफ्तार कार गड्ढे में गिरी 2 लहूलुहान

कोखराज कौशांबी। बांदा जनपद के बबेरू से बनारस जा रहे कार सवार कोखराज थाना क्षेत्र के बाईपास के पास का आनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में कार समेत गिर गए हैं इस हादसे में कार सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और 3 लोग को मामूली चोटें आई हैं कार के गड्ढे में चले जाने की जानकारी मिलने के बाद मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे हैं और मामले की सूचना पुलिस को दिया है मौके पर पहुंचकर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला है और घायलों को इलाज इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक ज्ञानेंद्र यादव पुत्र बुलाकी यादव अपने साथी राहुल मिश्रा पुत्र ललित किशोर मिश्रा आनंद गुप्ता सानू गुप्ता सुधांशु गुप्ता के साथ कार में सवार होकर बबेरू से बनारस जा रहे थे जैसे ही कार सवार कोखराज थाना क्षेत्र के बाईपास के पास पहुंचे अनियंत्रित होकर कार सड़क किनारे गड्ढे में चली गई हादसे में दो लोगों को गंभीर चोटें हैं कार सवार सभी घायल हो गए हैं और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सड़क हादसे में महिला समेत तीन घायल, ससुराल से वापस जा रहा था बाइक से घर

मूरतगंज कौशाम्बी। कोखराज थाना अंतर्गत धन्नी गावं के सामने जीटी रोड पर एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गए हैं इस हादसे में 3 लोगों को चोटे आई हैं जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनाक्रम के मुताबिक प्रतापगढ़ जनपद निवासी गुफरान पुत्र जैनुद्दीन मंझनपुर कोतवाली के समदा गांव अपने ससुराल आये थे गुफरान अपनी ससुराल से पत्नी महजबी 22 बेटी मरियम 3 वर्ष आयशा 8 माह के साथ बाइक यू पी ७३ यू ७८११ से अपनी पत्नी और बच्चों के साथ प्रतापगढ़ जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के धन्नी गांव के पहुंचे बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। उस पर सवार एक महिला समेत 3 लोग जख्मी हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर जाम लगने से वाहनों की लम्बी कतार लग गयी है हादसे में महजबी 22 वर्ष गुफरान पुत्र जैनउद्दीन 26 वर्ष बेटी मरियम 3 वर्ष घायल हो गए है घायलों को स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां घायलों का इलाज चल रहा है सूचना परिजनों को दी गई है ससुरालीजन और परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई है और बचाव और राहत कार्य कर रही है पुलिस ने सड़क पर जाम को हटवाया है।

भव्य रूप से जनपद में मनाया जायेगा महर्षि वाल्मीकि जयंती

कौशाम्बी। शासन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में इस वर्ष दिनांक 20 अक्टूबर 2021 को महर्षि वाल्मीकि जयन्ती की जयन्ती को भव्य रूप से मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। शासन के निदेर्शानुसार वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार- प्रसार व जनमानस को इससे जोडने के लिए जनपद में महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों मंदिरों आदि पर दीप प्रज्जवलन दीपदान के साथ-साथ अनवरत 08,12 अथवा 24 घण्टे का वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही भगवान श्रीराम व श्री हनुमान तथा रामायण से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों मंदिरों का चयन कर सुरूचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ भजन आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम को सुगमतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को विभिन्न उत्तरदायित्व सौपे गये है।

महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों मंदिरों पर दीप प्रज्जवलन दीपदान के साथ-साथ अनवरत 08,12 अथवा 24 घण्टे का वाल्मीकि रामायण पाठ का किया जायेगा आयोजन

रावण का वध कर प्रभु श्रीराम ने किया अत्याचार का अंत

रावण वध करते प्रभु श्री राम

दारानगर का ऐतिहासिक कुप्पी युद्ध देखने के लिए उमड़ पड़े हजारों नर-नारी

कौशांबी। मंझनपुर कस्बे में भारी हुजूम के साथ परंपरागत तरीके से रामदल निकला रामदल में रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों के साथ साथ नगर के हजारों गणमान्य लोग शामिल हुए प्रभु श्री राम का जयकारा लगाते हुए राम दल में शामिल हजारों लोग रावण मैदान पहुंचे जहां प्रभु श्रीराम और रावण की सेना में भीषण युद्ध हुआ राम की सेना से युद्ध करते हुए श्री राम के हाथों रावण का अंत हुआ रावण का अंत होते ही वातावरण प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा मेले में आकर्षण लाइट की सजावट रामलीला कमेटी द्वारा की गई है मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक ने मेले के दौरान भारी पुलिस फोर्स की तैनाती कर रखी थी। विजयादशमी के पर्व पर सिराथू तहसील के दारानगर का ऐतिहासिक कुप्पी युद्ध देखने के लिए भी हजारों नर-नारी उमड़ पड़े हैं दारानगर के कुप्पी युद्ध अपने आप में ऐतिहासिकता संजोए हुए हैं इसे तरह मनौरी कस्बे में भी रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों के साथ हजारों गणमान्य लोग राम दल में शामिल होकर रावण मैदान पहुंचे राम रावण के युद्ध में प्रभु श्री राम ने अत्याचारी रावण का अंत कर दिया सराय अकिल कस्बे में भी भारी हुजूम के साथ रामदल निकला यहां हजारों गणमान्य लोग मौजूद रहे और राम रावण के युद्ध में अत्याचारी रावण का अंत हुआ रावण का अंत होते ही वातावरण श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा विजयादशमी के पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला अधिकारी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ने चारों ओर भारी सशस्त्र पुलिस जवानों की तैनाती की थी मेला क्षेत्र में चप्पे चप्पे पर पुलिस के सशस्त्र जवान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे थे।

दशहरा और दुर्गा पूजा में सम्मिलित हुए चायल विधायक

दशहरा में आम जनमानस के बीच मौजूद चायल विधायक संजय गुप्ता

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने अपनी विधानसभा के भरवारी सहित विभिन्न स्थानों में मां दुर्गा पूजा विसर्जन में सम्मिलित होकर सभी श्रद्धालुओं को विजयदशमी की बधाई दिया और साथ ही उन्होंने कहा कि यह विजयदशमी का पर्व असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है।साथ ही विधायक श्री गुप्ता ने मनौरी बाजार के दशहरा महोत्सव में पहुंचकर लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए मेले में गुड़ की जलेबी और गोलगप्पे खा कर आनंद लिया उन्होंने कहा कि आज मनौरी के मेले में आकर मुझे मेरा बचपन याद आ गया। मेले में मुख्य रूप से शंभूलाल केसरवानी भरवारी रामलीला कमेटी अध्यक्ष सुभाष गुप्ता मनोज पटेल रिंकू केसरवानी रतन केसरवानी मनौरी प्रधान कुबेर केसरवानी पिछड़ा मोर्चा जिला महामंत्री सूरज यादव पिंटू कुशवाहा हर्ष केसरवानी शंकरलाल केसरवानी सुधीर केसरवानी पंकज सिंह राहुल मिश्रा सहित स्थानीय सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

जय जवान जय किसान मंच ने सम्मेलन कर किसानों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में मंचासीन वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा व अन्य तथा कार्यक्रम में मौजूद किसान मजदूर व अन्य

अखंड भारत संदेश

वक्ताओ ने कहा कि कोई भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि सरकारों ने स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा तथा न्याय दिलाने की दिशा में काम किया

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के मंडी समिति परिसर ओसा में जय जवान जय किसान मंच के संयोजक सुशील जय हिंद ने विशाल सम्मेलन का आयोजन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व जिला अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा ने किया है इस मौके पर दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र से आए किसानों को अंग वस्त्र देकर और माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया इस मौके पर उपस्थित किसानों ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण कर भारत माता को नमन कर भारत की रक्षा का संकल्प लिया है कार्यक्रम में क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान स्वच्छता ग्राही किसान मजदूर मौजूद रहे।

देश की बलिदानी परंपरा को समर्पित जन संगठन जय जवान जय किसान मंच के संयोजक एडवोकेट सुशील जय हिंद ने कहा कि आज युवा भ्रष्टाचार व बेरोजगारी के मकड़जाल में फंसा हुआ है पढ़ लिखकर अपनी डिग्रियां लेकर बेरोजगारी के चौराहे पर खड़ा होकर वह आंसू बहा रहा है उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे हुए लोग अपने निजी स्वार्थ में लगे हुए हैं आज किसान दुखी है नौजवान दुखी है हजारों बेगुनाह लोग न्यायालय का चक्कर काट रहे हैं सरकार को बेरोजगारों नौजवानों के हितों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनानी होगी प्रयागराज से अलग होकर जब से कौशांबी जनपद बना है तबसे कौशांबी जनपद का जो विकास होना चाहिए था वह विकास नहीं हुआ है उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विकास क्यों नहीं हुआ इसकी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ सरकारों के ऊपर है उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े नेता लोग आते हैं और बड़े-बड़े उद्घाटन करके चले जाते हैं उनका उद्घाटन किया हुआ कार्य सिर्फ और सिर्फ कागजों में सिमट कर रह जाता है हम सब लोगों को मिलकर बेरोजगारी के खिलाफ लड़ना होगा तभी बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा उन्होंने कहा कि अपने प्रदेश को नशा मुक्त बनाना होगा और गिरते हुए शिक्षा के स्तर को उठाना होगा आज कोई भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि सरकारों ने स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा तथा न्याय दिलाने की दिशा में काम किया है उन्होंने कहा कि आम जनता को स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा और न्याय की जरूरत है।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा ने कहा कि धीमी न्याय व्यवस्था को तेज करना होगा और ऐसे कठोर कदम उठाने होंगे कि हर गरीब को समय से न्याय मिले आजादी के बाद आज भी न्याय दिलाने वाले अधिवक्ता लोग टीनसेट के नीचे बैठकर न्याय दिलाने का काम कर रहे हैं उन्होंने कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ है और किसानों की हर समस्या का समाधान करना सरकार का दायित्व है उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकार को लेकर जय जवान जय किसान मंच हमेशा उनके साथ खड़ा मिलेगा इस मौके पर उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री कृष्ण मिश्रा ने कहा कि हम सब लोगों को एकजुट होकर अपने राष्ट्रीय ध्वज के नीचे खड़े होकर एक शपथ लेनी होगी कि हम सब लोग समाज में फैली हुई बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाएंगे वक्ताओं ने कहा कि एक अन्नदाता ऊपर वाला है दूसरा अन्नदाता किसान है और किसानों की हर समस्याओं के समाधान का भरसक प्रयास किया जाएगा इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जय जवान जय किसान मंच राजनीतिक मंच नहीं है इस मंच की स्थापना इसलिए की गई है कि किसानों को तमाम अधिकारों से अब वंचित नही होना पड़ेगा छोटे-छोटे मामलों की उनकी आवाजें गांव से निकलकर मुख्यालय तक नहीं पहुंच पाती है इस संगठन के माध्यम से किसानों की बात जनपद मुख्यालय तक पहुंचा कर किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा महिला अधिकार संगठन की जिला अध्यक्ष अंजना मिश्रा ने कहा कि महिलाओं के साथ उत्पीड़न की घटनाएं भी इस संगठन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाई जाएगी उन्होंने कहा कि पुरुषों के साथ भी महिलाएं गलत कर बैठती हैं ऐसा नहीं कि महिला संगठन केवल महिलाओं की मदद के लिए है उन्होंने कहा कि महिलाएं अत्याचार करती हैं तो यह संगठन पुरुषों की मदद के लिए खड़ा रहेगा कार्यक्रम में सुमन सिंह अर्चना गौतम रेखा रावत जय नारायण शिवेंद्र मिश्रा बृजेंद्र कुमार अनिल पांडेय संदीप कुशवाहा त्रिपुरारी पाल एडवोकेट अमित केसरवानी विकास चौहान एडवोकेट सूर्यमन लाल गुप्ता संदीप निषाद पुष्पराज तिवारी मुकेश चौहान हुबलाल प्रधान वीरेंद्र चौरसिया बृजभान सिंह बबलू सोनकर पंचम लाल जगत नारायण बैजनाथ अजय पासी विवेक एडवोकेट हर्ष त्रिपाठी एडवोकेट शरद चंद्र राय एडवोकेट सुभाष श्रीवास्तव एडवोकेट रुद्र प्रताप सिंह उमेश कुमार राजेश तिवारी ज्योति देवी गुड़िया देवी कांति सिंह झल्लर चौरसिया मुन्ना सिंह अमरेंद्र कुमार मोहन सिंह मैकी देवी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मां के जयकारे के साथ विसर्जित हुई मां दुर्गा की प्रतिमाएं

मूर्ति विसर्जन करते भक्तगण

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नवरात्रि के 9 दिनों तक देवी पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर भक्तों ने आस्था और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की पूजा अर्चन किया नवरात्रि के दिन मां दुर्गा के पण्डाल मंदिरों में हवन यज्ञ कर भक्तों ने नवरात्रि का समापन किया परंपरागत अनुसार विजयादशमी के दिन देवी पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ विसर्जन स्थल ले जाया गया जहां मां का जयकारा लगाते हुए भक्तों ने मां की प्रतिमा को जल में प्रवाहित किया मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान नगर की नर नारी बच्चे बूढ़े महिलाएं मां का जयकारा लगाते हुए विसर्जन स्थल की ओर आगे बढ़ रहे थे पूरा कस्बा भक्ति में हो गया था जिले के मंझनपुर भरवारी सिराथू करारी सराय अकिल अझुवा मूरतगंज पश्चिम सरीरा मनौरी इमामगंज चरवा चायल कल्याणपुर टेडीमोड कोखराज सैनी दारानगर कड़ा ऊदहीन कुमिहावा टेवा नारा आदि कस्बों में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्तों ने मां दुर्गा की प्रतिमा जल में प्रवाहित कर दी है।

मंगल कामना आस्था के साथ मां दुर्गा की विदाई

ससुर खदेरी नदी के पास बनाये गए गड्ढों में मूर्तियों का हुआ विसर्जन

अझुवा कौशाम्बी। दुर्गा पूजा की समाप्ति के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया,नगर पंचायत अझुवा क्षेत्र अजमतपुर, बीच का पुरवा रसूलपुर मढिया मई सैनी क्षेत्र की कुछ चौकियां सहित नगर पंचायत में प्रतिस्थापित मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया श्रद्धालुओं ने मंगल कामना के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को ससुर खदेरी नदी में विसर्जित किया है।दोपहर बाद श्रद्धालुओ ने गाजे बाजे डीजे के साथ पूजा स्थल से शोभायात्रा निकाली जो नगर के गलियों में जयकारा लगाते रहे शोभायात्रा में हजारों नर नारी बच्चे बूढ़े नवजवान शामिल रहे।! नवरात्रि भर मां जगत जननी का गुणगान करके गुरुवार को नवमी को पूजन कर कन्या भोज का आयोजन कर भक्तो ने आदि शक्ति दुर्गा मां को दशमी को विदा किया है। हालांकि इस वर्ष कोरोना के दूसरी लहर को देखते हुए भक्तों ने शासन द्वारा निर्धारित किये गए नियम निदेर्शों का पालन करते हुए इस त्योहार को मनाया है बीती रात नगर पंचायत अझुवा के वार्ड नं 12 नयानगर में आयोजकों ने भक्ति मय रंगारंग का कार्यक्रम भी करवाया आयोजकों ने शाम भंडारे का आयोजन भी किया जिसमें नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया है ततपश्चात कथावाचक जिनका कार्यक्रम पिछले 9 दिनों से चल रहा था जिसमे नगर के भक्त सहित ग्रामीण क्षेत्रों के भक्त आकर संगीतमय भक्ति रसों का श्रवण कर माँ के पंडाल में शेरावाली का जयकारा लगाते रहे उपस्थित लोग मा के जयकारे पर झूमते रहे बीच बीच मे छोटे छोटे बच्चों द्वारा झांकियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। वहीं आज शुक्रवार दोपहर बाद शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे नगर पंचायत में घुमाते हुए ससुर खदेरी नदी में प्रतिमा विसर्जन किया है विसर्जन स्थल के पास नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सूर्य प्रकाश गुप्ता ने नगर के कर्मचारियों के सहयोग से टेंट,शुद्ध जल कुर्सी आदि की व्यवस्था कर अपनी महती भूमिका अदा की किसी तरह का हुड़दंग अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए सैनी कोतवाल तेजबहादुर सिंह ,चौकी इंचार्ज अझुवा विजेंद्र सिंह मय हमराहियों मौजद रहे।

मूर्ति विसर्जन को जाते भक्तगण

टेढ़ी मोड़ क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन के दौरान उमड़ी भक्त जनों की भीड़

जगत जननी मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन

मीरापुर बंधवा तालाब में मूर्तियों का किया गया विसर्जन

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। दुर्गा पूजा के लिए पंडालों में टेढ़ी मोड़, अंदावा, पल्टीपुर, मीरापुर, सहजादपुर आदि स्थानों में भक्तों ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं को स्थापित कर पूजा अर्चना किया विजयादशमी के दिन भक्तों ने पांडाल में स्थापित मां दुर्गा के प्रतिभाओं का गाजे बाजे ढोल नगाड़े के साथ बड़ी ही धूमधाम से विसर्जन किया श्रद्धालुओं ने मंगल कामना के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को मां के जयकारे लगाते हुए बंधवा तालाब मीरापुर में विसर्जित किया है।दोपहर बाद श्रद्धालुओ ने गाजे बाजे डीजे के साथ पूजा स्थल से शोभायात्रा निकाली गलियों में भक्त जयकारा लगाते रहे शोभायात्रा में हजारों नर नारी बच्चे बूढ़े नवजवान शामिल रहे।नवरात्रि भर मां जगत जननी का गुणगान करके गुरुवार को नवमी को पूजन कर कन्या भोज का आयोजन कर भक्तो ने आदि शक्ति दुर्गा मां को दशमी को विदा किया है। इस वर्ष कोरोना के दूसरी लहर को देखते हुए भक्तों ने शासन द्वारा निर्धारित किये गए नियम निदेर्शों का पालन करते हुए इस त्योहार को मनाया ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और माता रानी के जयकारा लगाते रहे

सम्पादकीय

सावरकर पर विवाद क्यों

इस देश को लेकर, इसकी संस्कृति, इतिहास और भविष्य को लेकर, देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को लेकर उस दौर के हर महापुरुष की अपनी एक समझ, अपना एक नजरिया था जिस पर आधारित उनकी खास रणनीति थी। यह रणनीति अगर भगत सिंह को फांसी के फंदे की ओर ले गई तो उस दौर में भी उनके तमाम साथियों की उस पर सहमति ही नहीं थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह कहकर सबको चौंका दिया कि स्वतंत्रता सेनानी और हिंदू महासभा के नेता वीर सावरकर ने अंग्रेजों से माफी महात्मा गांधी के कहने पर मांगी थी। उन्होंने अपने भाषण में इस दावे का कोई आधार नहीं बताया। जैसी कि अपेक्षा थी, उनके बयान पर कांग्रेस और अन्य दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। इसे इतिहास को तोड़ने मरोड़ने की एक और कोशिश बताते हुए सवाल उठाया गया कि सावरकर की ओर से माफी की पहली अर्जी 1911 में डाली गई थी, जबकि महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत 1915 में लौटे, ऐसे में यह कैसे संभव हो सकता है कि सावरकर ने माफी गांधी के कहने पर मांगी हो

बेहतर होता, रक्षा मंत्री अपनी बात ज्यादा स्पष्टता से और तथ्यों व सबूतों का आधार बताते हुए रखते। लेकिन सवाल यह है कि आखिर देश में सावरकर की माफी को लेकर बार-बार विवाद क्यों होते रहते हैं। इसमें दो राय हो ही नहीं सकती कि देश के बीसवीं सदी के इतिहास में सावरकर की अपनी एक खास भूमिका रही है जिसकी वजह से उनका अपना एक अलग स्थान है। अगर यह तथ्य है कि उन्होंने जेल से छूटने के लिए अंग्रेजी सरकार के पास बार-बार माफीनामा भिजवाया, तो इसे स्वीकार करने में हमें कोई दिक्कत क्यों होनी चाहिए

इस देश को लेकर, इसकी संस्कृति, इतिहास और भविष्य को लेकर, देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को लेकर उस दौर के हर महापुरुष की अपनी एक समझ, अपना एक नजरिया था जिस पर आधारित उनकी खास रणनीति थी। यह रणनीति अगर भगत सिंह को फांसी के फंदे की ओर ले गई तो उस दौर में भी उनके तमाम साथियों की उस पर सहमति ही नहीं थी। इसी तरह सावरकर की रणनीति ने उन्हें अंग्रेजी सरकार के पास माफीनामा भिजवाने को प्रेरित किया तो हमारा उनसे सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसे लेकर शर्मिंदा महसूस करने का भी कोई कारण नहीं है। यह शर्मिंदगी ही है जिसकी वजह से हममें से कुछ लोग आज भी कभी सावरकर के माफीनामे को झुठलाने लगते हैं तो कभी इसके लिए महात्मा गांधी या दूसरे राष्ट्रनायकों की आड़ लेने की कोशिश करते हैं। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब हम एक खास दौर के इतिहास को उसके मूल रूप में समझने और संबंधित व्यक्तित्वों का सटीक मूल्यांकन करते हुए उनके गुणों-अवगुणों से सही सबक लेने के बजाय उन महापुरुषों को आपस में लड़ाना शुरू करते हैं कि फलां जी ढिकां जी से ज्यादा बड़े या छोटे थे। यह न केवल उन महापुरुषों की स्मृतियों के साथ अन्याय है बल्कि उस दौर की हमारी समझ को भी धुंधला और दूषित करता है। इसलिए इस प्रवृत्ति से जल्द से जल्द मुक्ति पाने की जरूरत है चाहे वह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौर से जुड़ी हो या मध्यकालीन और प्राचीन दौर के इतिहास से।

रावण रात जगाता है कोई राम-कहानी दे

अशोक पाण्डे

जौनपुर के शायर असगर मेहदी 'होश' का शेर है- क्या सितम करते हैं मिट्टी के खिलौने वाले/ राम को रक्खे हुए बैठे हैं रावण के करीब। दशहरे की शुरुआत राम और रावण के बीच फर्क कर पाने की तमीज सिखाने के लिए की गई होगी। व्यापक जनमानस में रामकथा के एक क्लासिक के तौर पर स्थापित होने के बाद से ही राम और रावण क्रमशः अच्छाई और बुराई के प्रतीक बन गए। रावण पर राम की विजय का उत्सव दशहरा मानव समाज की इन दो विरोधी भावनाओं के बीच चलने वाले शाश्वत युद्ध पर एक निर्णायक वक्तव्य है। अच्छाई हमेशा बुराई को पराजित करेगी, असत्य का पर्दे के पीछे छिपा सत्य हमेशा सामने आएगा।

रावण तेरे कितने रूपः मेरा बचपन उत्तराखंड के नगर अल्मोड़ा में बीता। यहां का दशहरा बहुत खास होता है। उस दिन यहां न सिर्फ रावण का पुतला फूंका जाता है, उसके साथ उसके तमाम साथियों के पुतले भी आग के हवाले किए जाते हैं। पिछले कुछ बरसों से यहां कुल मिलाकर 28 पुतले फूंके जाते रहे हैं जिनमें अहिरावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, प्रहस्त, ताड़का और देवांतक जैसे मिथकीय चरित्र शामिल हैं। इन पुतलों को बनाने में बहुत मेहनत की जाती है और एक पुतला दो से तीन महीने में बन पाता है। इस परंपरा पर 'द बर्निंग पपेट्स' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है। शहर के हर पुराने मोहल्ले की अपनी पुतला समितियां हैं। यह पहले से तय रहता है कि कौन सा मोहल्ला किस पुतले को बनाएगा। इनके निर्माण में जो चाहे हिस्सा ले सकता है। जौहरी बाजार में कुंभकर्ण बनेगा तो धारानौला में प्रहस्त। रावण का पुतला नगर के सबसे संपन्न मोहल्ले लाला बाजार में बनता है और वही सबसे शानदार दिखाई देता है। दशहरे के दिन फूंके जाने से पहले समूचे नगर में इन पुतलों का जुलूस निकाला जाता है। अल्मोड़ा की रामलीला बहुत विख्यात है। यूनेस्को की एक रपट में डेढ़ सौ बरस से होती आ रही इस रामलीला को वैश्विक सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बताते हुए इसे अयोध्या, बनारस, सतना और मधुबनी की रामलीलाओं के समकक्ष रखा गया है। अल्मोड़ा के ऐतिहासिक हुक्का क्लब में रामलीला की तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। इसे तालीम कहा जाता है। प्रसंगवश रामलीला के साथ तालीम जैसा उर्दू शब्द इसलिए जुड़ा कि शुरुआती वर्षों में कलाकारों की संगत के लिए दिए जाने वाले संगीत के निर्माण में अल्मोड़ा आ कर बस गए मुसलमान संगीतकारों का बड़ा हाथ होता था। रामलीला की तालीम के दौरान पात्रों की वेशभूषा और आभूषणों पर अलग से काम किया जाता था। राम को सदैव निश्छल दिखाया जाना होता था इसलिए कोई सुदर्शन किशोर ही राम की भूमिका के लिए छांटा जाता। कोई किशोर हद से हद दो या तीन साल तक ही राम का रोल कर सकता था क्योंकि फिर उसकी मूंछें आनी शुरू हो जाती थीं। रावण की भूमिका तय रहती थी। नगर का कोई विशालकाय अभिनेता इस काम को बीस-पचीस सालों तक किया करता था। राम की पोशाक के सामने रावण की पोशाक बेहद भव्य, महंगी और आकर्षक हुआ करती थी। बंदर की भूमिका करने वाला बच्चा भी मन ही मन एक बार उस पोशाक को धारण करने का सपना देखता था। रावण के हिस्से ही सारे हिट संवाद आते थे और उसी को देखने सबसे बड़ी भीड़ जुटा करती।

रामलीला के राम और रावण के पात्रों की यह कथा देश की तकरीबन हर रामलीला पर लागू हो सकती है। राम के मुकाबले रावण को हमेशा अपराजेय और चमत्कारी दिखना चाहिए। राम की कथा और उससे जुड़ी परंपराओं को उनके रस्मी अर्थों से इतर सांकेतिक रूप से देखेंगे तो पाएंगे कि संसार में रावणों का राज्य रहा है। उनकी सफलता के किस्से समाचारों की सुर्खियां बनते हैं। आपको हर जगह वे ही सत्ता में दिखाई देंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि सुशासन को रामराज्य का नाम दिया जाता है और वह हमेशा एक अमूर्त और अवास्तविक चीज बना रहता है। सूचना क्रांति के इस संक्रमण काल में जब छद्म सूचनाओं और समाचारों से बाजार पटा हुआ है, रावण का रूप और भी विराट और आधुनिक हुआ है। वह बाजार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुका है। चमचम करते बाजारों की संरचनाओं के चेहरों पर उसकी दर्प भरी मुस्कान छपी हुई है। दुनिया के सबसे तेज दिमाग उसकी सत्ता को मजबूत बनाने में दिन-रात मेहनत में लगे हुए हैं। कहीं युद्ध की तैयारी है, कहीं मिसाइलों के बाजार सजे हैं। विज्ञापन के रथ पर सवार रावण की सवारी दिन में सौ दफा निकलती है जिसका सीधा प्रसारण निर्धन झुग्गियों तक पहुंचाया जा चुका है। दिन भर रिक्शा खींचने, हाड़ गलाने वाला एक मजदूर शाम को घर पहुंचता है तो उसके थैले में नून-तेल-आटे के अलावा प्लास्टिक के रैपर में लिपटा कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो उसके बच्चे मांगते हैं। प्लास्टिक के उस गैरजरूरी रैपर के बगैर आज के समाज की कल्पना करना मुश्किल लगता है।**राम के आदर्शों की जरूरतः** पैसे की चौंध और आधुनिकता के नकली सिद्धांतों ने राम के आदर्शों को सर के बल खड़ा कर दिया है। एक सिद्धांत के रूप में राम का बताया मार्ग एक अनुकरणीय जीवन दर्शन तो हो सकता है लेकिन वैसा जीवन जीना कोई नहीं चाहता। हर किसी को रावण बनना है, हर किसी को रावण की वही चमचम करती पोशाक चाहिए जिसे पहन वह सार्वजनिक रूप से अट्टहास कर सके। संक्षेप में कहें तो हर बीतते दिन के साथ स्थितियां खराब से खराब होती जा रही हैं। अमीरी और गरीबी के बीच का फासला बढ़ता जा रहा है। अंग्रेजी कवि विलियम बटलर येट्स की एक कविता का संदर्भ दूं तो संसार में जो सबसे भले हैं वे पराजित हैं जबकि सबसे बुरों के पास जीने को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उल्लास है। अमीर कजलबाश की तरह मैं भी दशहरे के इस दिन बस इतनी सी दुआ ही कर सकता हूं, 'तेरे बच्चे प्यासे हैं, इन पौधों को पानी दे/ रावण रात जगाता है कोई राम-कहानी दे।

बॉलिवुड में 'खान राज' को चुनौती!

प्रणव प्रियदर्शी

बहुचर्चित आर्यन खान ड्रग्स केस में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। दशहरे की छुट्टियों की वजह से बीच में कोर्ट बंद रहेगा। सो, यह तय हो गया है कि आर्यन अब कम से कम 20 अक्टूबर तक तो जेल में ही रहेंगे। मामला ड्रग्स की जब्ती से जुड़ा है और ऐसे आपराधिक मामलों में केस के मेरिट पर कोई टिप्पणी इस स्टेज में नहीं की जा सकती। मगर, न तो यह ड्रग्स से जुड़ा कोई पहला मामला है, न ही फिल्मी दुनिया से जुड़ी कोई शख्सियत पहली बार ऐसे विवाद में आई है। यह मामला भी बॉलिवुड के सबसे बड़े सुपर स्टार शाहरुख खान के बेटे से जुड़ा होने के कारण पहले ही दिन से चर्चा में है। इसलिए दोषी या निदोष होने के सवाल को फिलहाल छोड़ दिया जाए, तब भी यह महत्वपूर्ण सवाल बना रहता है कि देश, दुनिया के अलग-अलग हिस्से इस मामले को किस रूप में देख रहे हैं। यह राय इस खास मामले से जुड़े तथ्यों में कोई बदलाव नहीं ला सकती, लेकिन इससे यह जरूर पता चलता है कि फिल्म इंडस्ट्री, इससे जुड़ी सिलेब्रिटीज, हमारी जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और उनके सही या गलत इस्तेमाल के बारे में आम धारणा किस तरह की शक्ल ले रही है। सबसे बड़ी बात, खुद फिल्म इंडस्ट्री इस तरह की कार्रवाई के बारे में क्या सोच रही है। उसके और शासन व्यवस्था के संबंधों पर ऐसी एकाध घटनाओं का कोई गंभीर प्रभाव तो नहीं पड़ सकता, लेकिन शासन व्यवस्था की उसके बारे में और उसकी शासन व्यवस्था की कार्यशैली के बारे में धारणा अगर इनसे थोड़ी भी प्रभावित हो रही हो, तो यह निश्चित रूप से गौर करने लायक बात है क्योंकि इसका प्रभाव काफी दूर तक जाएगा। बात फिल्म इंडस्ट्री को लेकर शासन व्यवस्था की धारणा की हो या शासन व्यवस्था के प्रति फिल्म इंडस्ट्री की राय की, दोनों में थोड़ी-बहुत असहजता शुरू से रही है। इसके बावजूद फिल्म इंडस्ट्री इसी शासन-प्रशासन व राजनीतिक तंत्र में फलती-फूलती रही। इक्का दुक्का लोगों के कुछ नेताओं अफसरों से खट्टे मीठे रिश्ते रहे, लेकिन संपूर्णता में कभी कोई बड़ी दिक्कत नहीं आई।

लेकिन पिछले कुछ समय से दिक्कतें लगातार आ रही हैं। न केवल इंडस्ट्री का एक हिस्सा इसी के दूसरे वर्ग के खिलाफ विषवमन करता रहा है बल्कि उसे सत्तारूढ़ हलकों के एक तबके का समर्थन भी मिलता रहा है। निस्संदेह, इस पक्ष-विपक्ष की बहस का एक हिस्सा वैचारिक है। यह भी गौर करने की बात है कि आम तौर पर वैचारिक मामलों में मुखरता से संकोच करने वाली फिल्म इंडस्ट्री में इस बीच ऐसे कई लोग आए और बेहतरीन काम से अपनी जगह बनाई, जो वैचारिक तौर पर भी खासे मुखर रहे हैं। मगर बात वैचारिक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया के तहत होने वाले हमलों और प्रति हमलों की ही नहीं है। सत्तारूढ़ हलकों की तरफ से फिल्म के कंटेंट को कंट्रोल करने की कोशिशें भी सामान्य से कहीं ज्यादा हो गई हैं। 'मिर्जापुर' और 'तांडव' जैसे कई वेबसीरीज के कंटेंट को लेकर मामले दर्ज किए गए।

मगर इन सब पर हावी रहा सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद चला अभियान। रिया चक्रवर्ती और शोविक चक्रवर्ती की गिरफ्तारी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के ड्रग्स कनेक्शन को लेकर जिस तरह का हौवा खड़ा किया गया, उसने पूरी इंडस्ट्री को हिला दिया। रवि किशन समेत सत्तारूढ़ दल के कई सांसदों और प्रभावशाली व्यक्तियों के बयान साफ बता रहे थे कि मामला सिर्फ मीडिया के अभियान का नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री की देर रात होने वाली पार्टियों को लेकर भी तरह-तरह की बातें होने लगीं। करण जौहर के घर की एक पार्टी से जुड़े विडियो को भी निशाना बनाया गया। कुल मिलाकर संदेश यह गया कि इंडस्ट्री में कोई भी सुरक्षित नहीं है। अब आर्यन खान को लेकर जो विवाद हुआ है, उसका भी एक खास संदर्भ है। लंदन में रह रहे अंग्रेजी के जाने-माने लेखक आतिश तासीर ने आर्यन की गिरफ्तारी के कुछ दिन बाद इस खास संदर्भ की तरफ इशारा करते हुए ट्वीट किया, 'खान्स को लेकर खौफनाक बात यह है कि ये सब कितना पूर्व नियोजित लगता है। 2015 में मैं एक बुक लॉन्च में था, जब आरएसएस के एक सीनियर आइडियोलॉग ने मेरी मां (वरिष्ठ पत्रकार तवलीन सिंह) से साफ-साफ कहा, 'इनको तो हटाना ही है।' इसके बाद जोड़ा कि उनके अपने सिक्स पैक वाले हीरो हैं, इनकी जगह लेने को। अब यह मजाक नहीं लगता।' प्रसंगवश, आतिश जहां मोदी सरकार के मुखर विरोधी रहे हैं, वहीं तवलीन सिंह हाल तक मोदी सरकार के समर्थन में लिखती रहीं। नवंबर 2019 में बेटे आतिश का ओसीआई स्टेटस समाप्त किए जाने के बाद से वह भी सरकार के खिलाफ हो गई हैं। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि आर्यन के इस मामले में खान को लेकर हिंदुत्ववादी हलकों में लंबे समय से कायम पूर्वाग्रह की कोई भूमिका है या नहीं। सवाल यह है कि जिस आशंका की ओर आतिश तासीर ने इशारा किया है क्या खुद शाहरुख खान के मन में वह बात नहीं होगी और क्या फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अन्य लोगों के मन में यह बात नहीं होगी अगर हां तो क्या वे इस कार्रवाई को महज 'खान्स' पर हमला मान कर चुप रहेंगे या इसे पूरी इंडस्ट्री पर हमला भी मान सकते हैं

ध्यान रखना चाहिए कि आज भी फिल्म इंडस्ट्री देश की सबसे सेकुलर जगह है। यहां उस तरह का विभाजन नहीं है और निकट भविष्य में हो भी नहीं सकता जैसा समाज के कुछ अन्य हिस्सों में दिखने लगा है। पिछले तीन दशकों से खान्स की जो जगह बॉलिवुड में बनी हुई है, उसे देखते हुए अगर कोई इस कार्रवाई को सोचे-समझे हमले के रूप में लेगा तो निश्चित रूप से इसे इंडस्ट्री के इस्टैब्लिशमेंट पर हमला मानेगा। इंडस्ट्री इसे क्या मानती है और इस पर आखिरकार कैसे रिएक्ट करेगी यह स्पष्ट होने में थोड़ा वक्त लगेगा। फिलहाल तो सबका ध्यान इसी बात पर है कि आर्यन को जमानत कब मिलती है

क्या यूपी के रूठे हुए वैश्य वोटरों को मनाने में कामयाब हो पायेगी भाजपा

स्वदेश कुमार

यह नाराजगी वैश्य समाज के बड़े नेता और योगी सरकार में मंत्री राजेश अग्रवाल को योगी कैबिनेट से बाहर किए जाने के बाद और भी बढ़ गई थी। इसके बाद गोरखपुर के होटल में पुलिस की पिटाई से प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत ने वैश्य समाज की नाराजगी और भी बढ़ा दी। उत्तर प्रदेश में मोदी का हिन्दुत्व टुकड़ों में बंटता जा रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव जीतने के लिए तब के बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस वृहद हिन्दुत्व को एकाकार किया था, उसने विपक्ष के पैर उखाड़ दिये थे। इसी हिन्दुत्व के बल पर मोदी ने दो बार (2014-2019) दिल्ली की और 2017 में यूपी की सत्ता हासिल की थी, लेकिन अब मोदी का हिन्दुत्व यूपी बीजेपी के लिए अप्रसांगिक हो गया है। यूपी में अब हिन्दुत्व की बात नहीं होती, बल्कि यहां टुकड़ों में हिन्दुत्व को समेटने का प्रयास किया जाता है। इसीलिए जब योगी सरकार को लगता है कि ब्राह्मण वोटर उससे नाराज है तो वह अन्य दलों के ब्राह्मण नेताओं से गलबहियां कर लेती है। ब्राह्मणों का सम्मेलन कराकर उन पर डोरे डालने लगती है। इसी तरह से जब उसे पिछड़ा समाज के मतदाताओं की नाराजगी का पता चलता है तो वह पिछड़े समाज का सम्मेलन कराने के साथ-साथ पिछड़ा समाज के लम्बरदार बने नेताओं के छोटे-छोटे दलों से गठबंधन कर लेती है। बीजेपी ऐसा ही रवैया दलितों, क्षत्रियों आदि वर्ग के वोटरों को मनाने के लिए अख्तियार करती है। इसी कड़ी में अब बीजेपी की नजर वैश्य वोटरों पर टिक गई है, जिनके बारे में यह सुनने को मिल रहा था कि वैश्य समाज योगी सरकार से खुश नहीं है।

यह नाराजगी वैश्य समाज के बड़े नेता और योगी सरकार में मंत्री राजेश अग्रवाल को योगी कैबिनेट से बाहर किए जाने के बाद और भी बढ़ गई थी। इसके बाद गोरखपुर के होटल में पुलिस की पिटाई से प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत ने वैश्य समाज की नाराजगी और भी बढ़ा दी। वैश्य समाज ने गुस्से में आकर योगी सरकार, पुलिस प्रशासन के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव तक पारित कर दिया। वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव सुधीर गुप्ता ने कहा कि मनीष की हत्या में जो भी पुलिसकर्मी लिप्त हैं उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले में जब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हस्तक्षेप किया तब योगी सरकार जागी और कार्रवाई हुई। यूपी में वैश्य आबादी दस प्रतिशत के करीब है। इसमें ज्यादातर व्यापारी वर्ग आता है। व्यापारियों के लिए कानून व्यवस्था हमेशा ही बड़ा मुद्दा रहता है। क्योंकि यह लोग आसानी से लूटपाट करने वालों का शिकार बन जाते हैं। इनके ही साथ अपराध की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं। वैश्य समाज बीजेपी से सवाल पूछ रहा है कि 25 करोड़ की आबादी वाले देश के सबसे बड़े राज्य से एक भी वैश्य समुदाय का व्यक्ति केन्द्र सरकार में मंत्री क्यों नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार में वर्तमान में एक मात्र वैश्य नेता को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है और वो भी महत्वहीन विभाग का उत्तर प्रदेश की शीर्ष ब्यूरोक्रेसी के तीन अहम पदों मुख्य सचिव, डीजीपी और अपर मुख्य सचिव गृह के पद पर सत्तारुढ़ भाजपा के सवा चार साल के कार्यकाल में एक भी वैश्य अफसर को जगह नहीं दी गयी क्या सिर्फ वैश्य समाज का इस्तेमाल भाजपा करेगी क्या वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा की बैठकों के लिए दरी और चादर बिछाना है क्या वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा नेताओं के लिए बैठक, भोजन और विश्राम की व्यवस्था करनी है वैश्य समाज का काम सिर्फ भाजपा के लिए चुनावी फंड का इंतजाम करना है ये ऐसे ज्वलंत सवाल हैं जिनका जवाब वैश्य समाज का युवा भाजपा के दिग्गज नेताओं से जानना चाहता है।

ज्ञातव्य हो कि कभी वैश्य समाज का बीजेपी (जनसंघ) में दबदबा रहता था। जनसंघ काल से हमेशा वैश्यों ने पार्टी का साथ दिया। अकेले यूपी में चन्द्रभानु गुप्ता, बाबू बनारसी दास और राम प्रकाश गुप्ता जैसे दिग्गज वैश्य नेता मुख्यमंत्री बने। जब पहली बार राज्य में कल्याण सिंह की सरकार 1991 में बनी तो वैश्य समाज से 5 कैबिनेट मंत्री बनाये गये। यही हाल दोबारा सत्ता में आयी भाजपा का 1997-2002 के बीच रहा लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि 2017 में भाजपा की जीत के आधार स्तंभ रहे वैश्यों को दरकिनार कर दिया गया चुनिंदा नेताओं को जगह तो मिली लेकिन विभाग महत्वहीन। यह बात वैश्य समाज में अंदर तक घर कर गई है। बहरहाल, योगी सरकार से वैश्य समाज की नाराजगी का अहसास होते ही सरकार ने अब वैश्य वोटरों को लुभाने के लिए भी गोटे बिछाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय और उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल विस्तार में किनारे रहे इस समाज को सम्मान का संदेश देने के साथ-साथ समाजवादी पार्टी के विधायक नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने का फैसला भी डैमेज कंट्रोल का एक दांव माना जा रहा है। वैश्य वोटर करीब 120 विधानसभा सीटों पर निर्यायक भूमिका में रहते हैं। इसीलिए योगी सरकार समय रहते वैश्य समाज से नाराजगी दूर कर लेना चाहती है। इसी क्रम में पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से विधायक चुनकर भारतीय जनता पार्टी के पाले में आए नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने की तैयारी है। यह तब हो रहा है जबकि चुनाव के चार-पांच माह ही बाकी बचे हैं। वैसे जानकारों का कहना है कि नितिन को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने का फैसला अचानक नहीं लिया गया है। इसकी सुगबुगाहट तभी सुनाई देने लगी थी, जब विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दिक्षित ने समाजवादी पार्टी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने नितिन की विधानसभा सदस्यता खत्म करने की सिफारिश की थी। पार्टी का तर्क है कि नितिन अग्रवाल के पिता पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल से तब किए गए वादे को पूरा किया जा रहा है, जबकि माना यह भी जा रहा है कि मनीष हत्याकांड से वैश्य समाज की नाराजगी को देखते हुए यह कुर्सी नितिन को सौंपी जा रही है। चर्चा यह भी है कि सत्ताधारी दल वैश्य समाज के कुछ बड़े नेताओं को पार्टी में शामिल करा सकता है। साथ ही विधानसभा चुनाव में इस वर्ग को टिकट भी पहले की तुलना में कुछ अधिक दिए जा सकते हैं। उधर, वैश्य समाज की नाराजगी भांपने के लिए बीजेपी 14 नवंबर को वैश्यों का बड़ा समागम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में करा रही है। इसके आयोजक खुद नितिन अग्रवाल होंगे, जोकि व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, जबकि मुख्य वक्ता व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल और भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल होंगे।

वो जानती हैं गज्जन सिंह अब नहीं उठेगा, फिर भी दिल कह रहा है एक बार तो उठ जा मैंनूं देख ले एक वारी...

अशोक पाण्डे

ओ गज्जन सिंह' उठ जा, उठ सा न, ओए उठ जाष्ठ मैंनू तो देख ले एक वारीष्ठ। नहीं नहीं अब गज्जन सिंह नहीं उठेगा। जानतीं हैं क्यों इसलिए क्योंकि वो भी मरा ही नहीं। वो अमर हो गया। इस माटी का कर्ज चुकाकर अब वो मां भारती के पास गया है। वहां जाकर वो सबको देख रहा है। आपका तो क्या कहें, वो तो सरहद पर जाकर मां भारती की आन-बान-शान की हिफाजत करता हुआ शहीद हो गया मगर आपने तो घर पर रहकर हर पल जंग लड़ी है। आपका चूड़ा भी नहीं उतरा था। अपने महबूब से ठीक से बातें भी नहीं कर पाई थीं और अब वो जब आया है तो तिरंगे के कफन में लिपटा हुआ है। जरा देखों तो उसका चेहरा लग रहा है जैसे अभी उठेगा और भारत माता की जय के नारे लगाएगा और फिर कहेगा कि उठाओ मेरी बंदूक बताओ किसकी हिमाकत है जो मेरे देश की तरफ देख भी सके। आप वीरांगना हो। आपने जो युद्ध लड़ा है वो हर किसी के बस की बात है ही नहीं। आप वीरांगना इसलिए हो क्योंकि आपको पता है आपका पति एक योद्धा है। अमर योद्धा। हम यहां कुछ भी लिख दें गज्जन सिंह की शहादत से हमेशा कम रहेंगे। इसी साल फरवरी में 23 सिख रेजिमेंट के जवान गज्जन सिंह ने हरप्रीत कौर का ताउम्र साथ निभाने की कसम खाई थी। रोपड़ में बड़ी धूमधाम से दोनों की शादी हुई थी। गज्जन सिंह हमेशा फोन पर भी बस देश बात बचपन के दिनों की है। गर्मी की शाम को अक्सर बिजली गुम हो जाती थी तो पिता जी के साथ बाहर गपशप होती थी। ये बात काफी पहले की है जब हमने कभी लाश और अर्थी नहीं देखी होती। याद पड़ता है जब भी कोई अंतिम यात्रा हमारे दरवाजे के सामने से गुजरती थी तो हमको अंदर ही किसी न किसी बहाने रोक लिया जाता था। अब समझ आता है कि अच्छा क्यों हमको रोका जाता था। फिर एक दिन मोहल्ले में एक दादी की निधन हो जाता है। फिर हम घर की छत पर खेलने के बहाने अंतिम संस्कार का पूरा कार्यक्रम देखते हैं। देखते हैं कि कैसे देखते देखते एक शख्स हमारे बीच से चला जाता है। बहुत सारे सवाल थे मगर एक बात तो क्लियर थी कि मौत के बाद हम उस शख्स को देख नहीं पाता। मन ही मन में अब कौतूहल होने लगा कि आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है। चारों ओर लोग रो रहे हैं। बाकी लोग बार-बार इधर उधर जाकर सामान इकट्ठा कर रहे हैं। नाई छुरा लिए तैयार बैठा है उसके पास में एक पानी से भरा मग रखा हुआ है। एक आदमी आता है उसके सामने बैठता है। बस पानी को उसके सिर पर मलता है और फिर उसके बाद अपना छुरा निकालकर उसके सारे बाल निकाल देता है।

फिर लगा कि ये ढोल क्यों आए हैं। फिर हम छत की दीवार पर और सट गए। जानना चाहते हैं कि आखिरकार क्या हो रहा है ये सब। तभी पिता जी की गुस्से वाली आवाज सुनाई देती है और वो हमारा नाम ही चिल्ला रहे थे। हम उनके पास पहुंचे तो पूछा गया कि क्या कर रहे थे हमने अगर ये सब बता दिया कि हम क्या देख रहे थे तो तो हमारा कोर्ट मार्शल कर दिया जाता तो हमने झूठ बोल दिया कि हम वहां पतंग उड़ा रहे थे। डांट तो उसमें भी पड़ी कि इतनी धूप में अकेले छत में घूम रहे तो लेकिन इतनी डांट के तो आदी थे। इसके बाद घर के ही भीतर आवाजें आने लगीं तो मां निकलकर बाहर गईं। मां के जाते ही हम फिर अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए छत पर चढ़ गए।

फिर हम गौर से हर रीति रिवाजों को देखते रहे जब तक कि वो शव वहां से गाजे बाजे के साथ रवाना नहीं हो गया। अब एक नई जिज्ञासा कि अब इसका करेंगे क्या। इतने सारे लोग वहां उनके पीछे पीछे भाग रहे हैं ये लोग कहां जा रहे हैं। खैर, धीरे-धीरे सारी कहानी समझ में आ गई। समझ में आ गया कि आखिरकार इस जिंदगी की मंजिल क्या है। छोटे में हमारे स्कूल की एक डायरी थी। जिसमें पूछा जाता था कि भविष्य में क्या बनना चाहते हो तो हम उसमें अक्सर फौजी भरते थे। फौजी क्यों भरते थे वो इसलिए कि उस वक्त करगिल वार हुआ था। वो तस्वीरें दिल चीर रही थीं। तिरंगे में लिपटे जवान गांव-गांव पहुंच रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे मौत को जानकर खुद का ही नुकसान कर लिया। लेकिन उस दिन एक और फर्क महसूस हुआ। मौत और शहादत का फर्क। जो भी बाप अपने बेटे को तिरंगे में लिपटा हुआ देख रहा था वो बिलख तो रहा था मगर उसके चेहरे में तेज था। उसको फख्र था कि उनका हिस्सा देश के लिए कुर्बान हो गया। वो देख रहे थे कि पूरा गांव भारत माता की जय, उनके बेटे का नाम लेकर अमर रहे, अमर रहे के नारे लग रहे हैं। वर्दी में ताबूत के साथ कुछ जवान उनको कह रहे थे कि बाबू जी वो अमर हो गया।

आशीष नेहरा ने बताया, क्यों आईपीएल में इतनी सफल है चेन्नई सुपर किंग्स की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स को फाइनल मुकाबले में हार का स्वाद चखाने के साथ ही चेनन्ई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2021 के खिताब को अपने नाम किया। एमएस धोनी की अगुवाई में सीएसके ने चौथी बार आईपीएल की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। चेनन्ई इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल टीमों में से एक है और 12 सीजन खेलने के बाद टीम सिर्फ एक बार ही अंतिम चार में जगह बनाने में नाकाम रही है। आखिरी किस वजह से आईपीएल में इतनी कामयाब है माही की टीम। इसके पीछे की वजह बताई है भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने। उनका कहना है कि चेनन्ई एक ऐसी टीम है, जो कभी यह नहीं कहती है कि उनको सबकुछ आता है। 'क्रिकबज' के साथ बातचीत करते हुए पूर्व भारतीय

तेज गेंदबाज ने कहा, 'सीएसके वह टीम नहीं है, जो कहती है कि हमको सबकुछ आता है। वह हर समय खुद में सुधार करने की कोशिश करती है। इस टूर्नामेंट में जीत उसी टीम के हाथ लगती है, जो कम गलतियां करती है।' नेहरा ने कहा कि बाकी टीमों को सीएसके से सिखाना चाहिए और उनकी टीम के हर खिलाड़ी ने टीम को आगे बढ़ाने के लिए अपना योगदान दिया है। नेहरा ने आगे कहा, 'इन सभी प्लेयर्स को दोबारा एकसाथ देखना मुश्किल होगा, क्योंकि अगले साल मेगा ऑक्शन है। यह अभी तक क्लियर नहीं है कि एमएस धोनी टीम की अगुवाई करेंगे, वह अगले साल खेलेंगे या नहीं, लेकिन अगर मैं सीएसके की विरासत पर बात करूं, तो हर वो खिलाड़ी टीम को आगे लेकर गया है जो इस टीम में आया है। जिस तरह से यह टीम पिछले सालों में आगे बढ़ी है, उस चीज को बाकी टीमों को देखना चाहिए और सीखना चाहिए।'

धोनी की कप्तानी में चेनन्ई ने इससे पहले साल 2010, 2011 और 2018 में आईपीएल के खिताब को अपने नाम किया था। आईपीएल 2021 के फाइनल में केकेआर के खिलाफ चेनन्ई ने पहले बैटिंग करते हुए 3 विकेट खोकर 192 रन बनाए थे। टीम की ओर से फाफ डुप्लेसी ने 86 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि मोईन अली और रॉबिन उथप्पा ने भी बल्ले से अहम योगदान दिया था। 193 रनों के विशाल लक्ष्य के आगे केकेआर की टीम 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 165 रन ही बना सकी थी। शार्दुल ठाकुर ने गेंद से तीन विकेट अपने नाम किए थे।

महेंद्र सिंह धोनी या रोहित शर्मा आईपीएल का बेस्ट कप्तान कौन? गौतम गंभीर ने दिया हैरान करने वाला जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा आईपीएल के दो सबसे सफल कप्तानों में से एक है। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को हराकर माही ने अपनी टीम चेनन्ई सुपर किंग्स को चौथी बार खिताब जिताया। वहीं, रोहित मुंबई इंडियंस को अबतक पांच दफा आईपीएल की ट्रॉफी दिला चुके है। धोनी इस खिताब के साथ ही बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टी-20 टाइटल अपने नाम करने वाले कैप्टन भी बन गए है। ऐसे में एकबार फिर इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि धोनी और रोहित में से आईपीएल का बेस्ट कप्तान कौन है। इस बात का जवाब भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने दिया है। 'ईएसपीयन क्रिकइंफो' के साथ बातचीत करते हुए गंभीर ने धोनी नहीं, बल्कि रोहित शर्मा को आईपीएल का बेस्ट कैप्टन बताया। गंभीर ने इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा कि रोहित ने आईपीएल की पांच ट्रॉफी जीती है, जबकि धोनी ने चार। गंभीर ने आईपीएल 2021 फाइनल को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ और फाफ डुप्लेसी की सलामी जोड़ी को पूरा क्रेडिट देने से इनकार किया। गंभीर ने कहा कि इन दोनों के अलावा केकेआर के खिलाफ रॉबिन उथप्पा, मोईन अली और गेंदबाजों ने भी चेनन्ई सुपर किंग्स को जीत दिलाने में अहम रोल अदा किया।

अगले साल होने वाले आईपीएल ऑक्शन को लेकर गंभीर ने उन तीन खिलाड़ियों के नाम बताए जिन्हें सीएसके को रिटेन करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह महेंद्र सिंह धोनी पर निर्भर करेगा कि वह किस तरह का रोल उनको अदा करना होगा और क्या वह खेलेंगे भी, लेकिन अगर मुझे तीन खिलाड़ियों को रिटेन करना हो तो ऋतुराज गायकवाड़, रविंद्र जडेजा और शायद फाफ डुप्लेसी को मैं रिटेन करना पसंद करूंगा।' डुप्लेसी ने फाइनल मैच में 86 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं, ऋतुराज ने इस सीजन सबसे अधिक रन बनाते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की थी।

टीम इंडिया के अगले हेड कोच होंगे राहुल द्रविड़, कप्तान विराट कोहली बोले- नो आइडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया का नया हेड कोच कौन होगा इस बात को लेकर इन दिनों जमकर चर्चाएं हो रही हैं। खबरों के मुताबिक, राहुल द्रविड़ ने हेड कोच का पद संभालने के लिए तैयार हो गए हैं और वह वर्ल्ड कप के ठीक बाद टीम इंडिया की कमान संभाल सकते हैं। हालांकि, भारतीय कप्तान विराट कोहली ने द्रविड़ के कोच बनने के सवाल पर अपना पल्ला झाड़ा है और उनका कहना है कि इस बारे में उनके साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। द्रविड़ इस साल श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के अंतरिम हेड कोच रहे थे। विराट कोहली ने टी-20 विश्व कप की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बातचीत करते हुए विराट ने राहुल द्रविड़ के नए हेड कोच बनने के सवाल पर कहा, 'मुझे इस बारे में कोई आइडिया नहीं है कि क्या चल रहा है। इसको लेकर अबतक किसी के भी साथ बातचीत नहीं हो सकी है।' मौजूदा हेड कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल टी-20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है और वह आगे इस पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में द्रविड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। भारत की अंडर 19 टीम का प्रदर्शन द्रविड़ के देखरेख में कमाल का रहा था और वह हमेशा से ही अपनी कोचिंग को लेकर चर्चा में रहे हैं। राहुल के पास काफी अनुभव भी मौजूद है और वह खिलाड़ियों का बेस्ट प्रदर्शन निकलवाने का हुनर भी बखूबी जानते हैं। राहुल द्रविड़ हमेशा से ही बीसीसीआई की पसंद थे। सूत्रों ने बताया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पूर्व कप्तान के साथ बैठकर बात की। चीजें अच्छी रहीं। द्रविड़ ने हमेशा भारतीय क्रिकेट के हित को शीर्ष पर रखा।

विराट कोहली ने बताया, क्यों टी-20 वर्ल्ड कप टीम में राहुल चाहर पर जताया गया युजवेंद्र चहल से ज्यादा भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2021 का रोमांच अब खत्म हो चुका है। अब बारी ही टी-20 विश्व कप के घमासान की। 17 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में 16 टीमें एक ट्रॉफी को अपने नाम करने के लिए जी-जान लगाती नजर आएंगी। विराट कोहली की अगुवाई में टीम इंडिया की 15 सदस्यीय टीम भी इस खिताब को दूसरी बार अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

आईपीएल के दूसरे लेग में अपनी घातक गेंदबाजी से हर किसी को प्रभावित करने वाले युजवेंद्र चहल शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम में अपनी जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐसा माना जा रहा था कि 15 अक्टूबर से पहले होने वाले टीम के स्क्वॉड में बदलाव करते हुए चहल को राहुल चाहर के स्थान पर मौका दिया जाएगा, पर सिलेक्टर्स ने राहुल पर भी भरोसा दिखाया। इस बीच, टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने बताया है कि किन कारणों के चलते राहुल चाहर को चहल के ऊपर तरजीह दी गई। टी-20 विश्व कप की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बातचीत करते हुए कोहली ने कहा, 'यह एक चैलेंजिंग कॉल थी, लेकिन हमने राहुल चाहर को बैक करने का फैसला एक कारण के तहत किया। उन्होंने पिछले कई आईपीएल सीजन में लगातार अच्छी गेंदबाजी की है। एक गेंदबाज जो पेस के साथ गेंदबाजी करता है, उन्होंने श्रीलंका में और इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में बेहतरीन

प्रदर्शन किया था। राहुल वो गेंदबाज थे, जिन्होंने मुश्किल ओवर डाले थे। हम टूर्नामेंट में इस बात को मानकर चल रहे हैं कि पिच धीमी होती चली जाएगी, तो वह गेंद को हवा देने वाले गेंदबाज के मुकाबले वह गेंदबाज बैटर को ज्यादा परेशानी में डालेगा जो पेस के साथ गेंदबाजी करता है।

राहुल के पास जाहिर तौर पर वह काबिलियत है। वह उन गेंदबाजों में से है, जो हमेशा विकेट को टारगेट करते हैं, और यही वजह उनके पक्ष में गई है। वर्ल्ड कप की टीम चुनना काफी मुश्किल काम होता है और आप हमेशा हर किसी को स्क्वॉड में नहीं रख सकते हैं।'

विराट ने बताया कैसे धोनी बतौर मेंटोर टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। उन्होंने कहा, 'उनके पास काफी अनुभव मौजूद है। वह खुद भी इस वातावरण में आने को लेकर उत्सुक हैं। वह उस समय से हमारे मेंटोर रहे हैं, जब हमने अपने करियर की शुरुआत की थी और उन्होंने इस भूमिका को टीम में रहने तक बखूबी निभाया था। उन युवा खिलाड़ियों को काफी फायदा होगा, जो इस तरह से बड़े टूर्नामेंट को पहली बार खेलने उतरे हैं। जटिल समस्या के खिलाफ उनकी आंखें और प्रैक्टिस के दौरान उनकी सलाह से हमारे गेम में कम से कम एक से दो प्रतिशत का सुधार होगा। उनकी मौजूदगी से हम बेहद खुश हैं। उनके रहने से ना सिर्फ हमारा हौसला बढ़ेगा, बल्कि हमारे आत्मविश्वास में और इजाफा होगा।

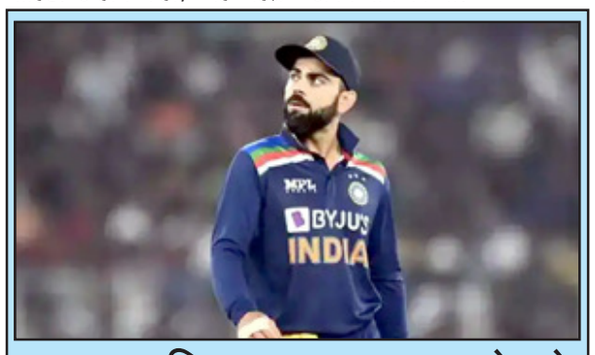

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले को लेकर कप्तान विराट कोहली बोले- हमारे लिए बाकी मैचों जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2021 का आगाज 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान की धरती पर होने जा रहा है। विराट कोहली की सेना को अपने पहले ही मुकाबले में चिर प्रतिद्धंद्धी पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरना है। हर तरफ इन दिनों इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर चर्चा हो रही है। हर किसी को इस मुकाबला का बेसब्री से इंतजार है और इसको लेकर माहौल अभी से बनना शुरू हो गया है। लेकिन, कप्तान विराट कोहली ने साफ किया है कि उनके लिए भारत-पाकिस्तान का मैच एक आम क्रिकेट मुकाबले की तरह ही है और वह इसे सही भावना के साथ खेलने की कोशिश करेंगे।

टी-20 विश्व कप की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह पूछने पर कि क्या उन्हें भारत -पाकिस्तान मैच कुछ अलग लगता है , उन्होंने कहा ,'मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ। मुझे यह दूसरे मैचों की तरह ही लगता है । मुझे पता है कि इस मैच को लेकर काफी हाइप है खासकर टिकटों की मांग और बिक्री को लेकर। हमारे लिए यह क्रिकेट का एक मैच ही है जिसे सही भावना से खेला जाना चाहिए जो हम खेलेंगे । बाहर से या दर्शकों की नजर से माहौल अलग दिखता होगा लेकिन खिलाड़ियों का नजरिया पेशेवर रहता है । हम सामान्य मैच की तरह ही हर मैच को लेते हैं। टी-20 विश्व में भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 दफा एक दूसरे से भिड़ चुकी है, लेकिन पड़ोसी मुल्क को एक बार भी अबतक जीत नसीब नहीं हुई है। 50 ओवर के वर्ल्ड कप में भी खेले गए 7 मुकाबलों में पाकिस्तान एक भी जीत नहीं दर्ज कर सका है। हाल ही में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा था कि इस बार उनकी टीम भारत को हराने में सफल रहेगी और यूएई की कंडिशंस से वह अच्छी तरह से वाकिफ हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप में मुकाबला 24 अक्टूबर को दुबई में खेला जाना है।

... ताकि दोबारा शिकायत की जरूरत ही न पड़ेःजिलाधिकारी

समाधान दिवस में आई 93 शिकायतों में सात मामलों का मौके पर निस्तारण

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रयास यह किया जाए कि फरियादी को दोबारा शिकायत करने की जरूरत न पड़े। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी तहसील ज्ञानपुर में संपूर्ण समाधान दिवस में भाग ले रही थीं।

उपजिलाधिकारी ज्ञानपुर योगेन्द्र कुमार ने शिकायतों की सुनवाई कर उनके निस्तारण का निर्देश दिया। तहसील दिवस में कुल 93

शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से सात का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों के शिकायती पत्र प्राप्त होते ही तुरन्त कार्रवाई अमल में लाई जाए, ताकि तत्समय ही मौके पर ही निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि तहसील दिवसों में जो शिकायतें प्राप्त होती हैं, यदि संबंधित विभाग समय से जनता की शिकायतें सुनकर निस्तारण करें तो तहसील दिवस में शिकायतों का ग्राफ कम हो जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जन सामान्य के कल्याणार्थ संचालित विभिनन सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जन सामान्य को मुलभूत सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा शासन द्वारा संचालित योजनाएं पात्र व्यक्ति तक अवश्य पहुंचनी चाहिए और उसे उसी योजना से अवश्य जोड़ा जाए। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण संवेदनशील होकर शिकायत सुनें और शिकायतकर्ता को भी मौके पर बुला लें और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करना सुनिश्चित करें। निस्तारण की चेकिंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से मास्क और सेनिटाइजर का प्रयोग करें, साथ ही दो गज दूरी का पालन करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी संतोष कुमार चक, परियोजन निदेशक मनोज कुमार राय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह, उपजिलाधिकारी ज्ञानपुर, तहसीलदार ज्ञानपुर, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, समस्त थानाध्यक्ष जनपद स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

भदोही पुलिस को मिली बड़ी सफलता, कबाड़ में मिला 35 लाख का गांजा

अखंड भारत संदेश

भदोही। उत्तर प्रदेश और नई दिल्ली में गांजा सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो तस्करों को भदोही पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों तस्कर ट्रक से 35 लाख रुपये का गांजा लेकर उड़ीसा से आ रहे थे। तस्कर अपने गंतव्य तक पहुंच पाते, इससे पहले ही पुलिस के तंत्र ने दोनों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। तस्करी करने के लिए धंधेबाज शीशी-बोतल के कबाड़ का सहारा ले रहे थे, ताकि किसी को इसकी भनक न लगने पाए और यदि कोई चाहे तो जल्दी ट्रक की जांच भी न हो पाए।

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वितीय ने आज पुलिस लाइन सभागार में बरामदगी का खुलासा किया। बताया कि हाईवे पर मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ की निगरानी में क्राइम ब्रांच और सभी थानाध्यक्षों की टीम अनवरत कार्य कर रही है।

बताया कि बीती रात की गई गिरफ्तारी और बरामदगी जनपद की क्राइम ब्रांच और ऊंज थाने की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से की है। मुखबिर के जरिए मिली सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच और ऊंज थाने की पुलिस ने बीती रात नेशनल हाईवे पर नवधन के समीप घेराबंदी की और उड़ीसा की तरफ से आ रहे ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। ट्रक में बाहर से देखने पर शीशी-बोतल का कबाड़ दिखा। आशंका होने पर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें हकीकत पता चली। इस पर पुलिस ने ट्रक से 350 किलो गांजा (अनुमानित कीमत 35 लाख) के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

35 लाख के गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार
यूपी के विभिन्न जनपदों के साथ ही नई दिल्ली में गांजा सप्लाई करता है यह गैंग
धोखा देने के लिए ट्रक में शीशी-बोतल के टुकड़ों के पीछे छिपाया जाता था गांजा
उड़ीसा से सस्ते दाम में खरीदकर उत्तर प्रदेश में बेचने का कर रहे थे अवैध कारोबार

पुलिस टीम को 25 हजार का इनाम

पुलिस ने बताया कि दो अभियुक्त शनि यादव पुत्र राधेश्याम और कपिल चौधरी उर्फ विष्णु चौधरी उर्फ केपी भाई (सेक्टर 16, सिकंदरा) की तलाश की जा रही है।

कुल 50 लाख रुपये की बरामदगी

गिरफ्त में आए तस्कर पवन कुमार यादव पुत्र राधेश्याम (अकबर टोम, सिकंदरा, आगरा) और प्रवेन्द्र सिंह पुत्र सुखबीर सिंह (नवापुरा, सादाबाद, हाथरस) ने बताया कि उनका गैंग उड़ीसा से सस्ते दाम पर गांजा लाकर उत्तर प्रदेश के विभिनन जनपदों आगरा, गाजियाबाद, नोएडा एवं दिल्ली में ऊंची कीमत पर बेचता है। पुलिस ने बताया कि 35 लाख रुपये के गांजा के साथ कुल 50 लाख की बरामदगी हुई है। बरामद ट्रक की कीमत 15 लाख रुपये है। गांजा बोरियों में पैक था। इसके अलावा एक मोबाइल भी मिला है।

नाबालिग लड़की को भगा ले जाने का आरोप

घोसिया। औराई क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव में अपहरणकर्ता ने नाबालिग लड़की को उठा ले गया। गौरतलब हो अपहृत चौदह वर्षीय नाबालिग लड़की के पिता ने कोतवाली में एक युवक के खिलाफ नामजद प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह युवक हमारे लड़की को बृहस्पतिवार के रात्रि आठ बजे बहका फुसलाकर उठा ले गया। बहुत खोजबीन करने के बाद भी लड़की नहीं मिली। इस सम्बन्ध कोतवाली पुलिस युवक के खिलाफ समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल कर रही है।

महिलाएं एवं छात्राएं कहीं से भी कमजोर नहीं है

सशक्तिकरण के शाब्दिक अर्थ को व्यापक स्तर पर सबसे समझना होगा

अखंड भारत संदेश

घोसिया। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति तृतीय चरण-2021 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के विभिनन आयाम व विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़कर अपनी हिस्सेदारी की। वेबिनार में 40 से अधिक छात्राओं ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। मिशन शक्ति फेज 3 के संयोजक अनुज कुमार सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में जागरूक और सशक्त हो रही हैं लेकिन आवश्यकता अपनी सोच में बदलाव करने की है। जब तक महिलाएं सशक्त नहीं होंगी तब तक एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता है अतः हमें आर्थिक सामाजिक राजनैतिक रूप से सशक्त होने की जरूरत है इसलिए हमें अपनी दैनिक गतिविधियों व आचरण व्यवहार आदि में बदलाव करने की आवश्यकता है। आज के परिवेश में यह आवश्यक है कि हमारी आधी आबादी यानी महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। सरकार द्वारा बहुत सारी योजनाएं कार्यान्वित की जा रही है इस जोर शोर से प्रचार प्रसार की जरूरत है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वृजकिशोर त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को आगे बढ़ने एवं हर क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की बात की। उन्होंने महिला शक्ति का नमन करते हुए सशक्तिकरण के अर्थ को विस्तार से बताया। कहा कि हमें सशक्तिकरण के शाब्दिक अर्थ को व्यापक स्तर पर सबसे पहले समझना होगा एवं इसके भावार्थ को निकालने होंगे। महिलाएं एवं छात्राएं कहीं से भी कमजोर नहीं है हमें सबसे पहले शिक्षित होकर ही मजबूत राष्ट्र की कल्पना में अपनी सहभागिता करनी होगी। कार्यक्रम के सह संयोजक जय कुमार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए सभी प्राध्यापकों अभिभावकों कर्मचारियों एवं छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

अयोध्या पहुंचे उत्तराखंड के सीएम धामी, रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री का दायित्व ग्रहण करने के बाद पहली बार यहां आए धामी ने रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई और हनुमानगढ़ी में भी माथा टेका। मुख्यमंत्री धामी यहां दिल्ली सेवा धाम की ओर से प्रस्तावित धर्मशाला निर्माण के लिए आयोजित भूमि पूजन समारोह में हिस्सा लेने आए हैं।

दो दिवसीय यह समारोह रविवार को सरयू पुल के उस पार गोण्डा जनपद में आयोजित होगा। इस आयोजन से पहले दिल्ली सेवा धाम की ओर से शनिवार को निकाली गई राम बारात में भी

मुख्यमंत्री धामी ने हिस्सा लिया। यह राम बारात रामकथा पार्क से मुख्य मार्ग होते हुए रामजन्मभूमि दर्शन मार्ग तक निकाली गई। मुख्यमंत्री धामी ने रामकथा पार्क के मुख्यद्वार पर रथयात्रा में विराजे भगवान के स्वरुपों का स्वागत किया। उन्होंने राम बारात में कुछ दूर तक कदमताल भी किया। इस मौके पर दिल्ली सेवा धाम के ट्रस्टियों व अन्य ने मुख्यमंत्री धामी का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इसके उपरांत रामलला के दर्शनावधि को ध्यान में रखते हुए कार द्वारा दर्शन के लिए प्रस्थान कर गये।

उत्तराखंड की जनता राष्ट्र भक्त भी है और रामभक्त भीः धामी

रामनगरी में पत्रकारों से बातचीत में धामी ने कहा कि भगवान केदारनाथ उत्तराखंड में हैं और भगवान राम अयोध्या में है। दोनों के नाम भले दो हैं लेकिन स्वरूप एक ही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता राष्ट्र भक्त भी है और रामभक्त भी है। उन्होंने बताया कि वह विद्यार्थी परिषद के माध्यम संगठन के कार्य के सिलसिले में यहां कई बार आ चुके है। उन्होंने कहा कि पहले आते समय मन कचोटता था कि आखिर कब तक रामलला टाट में रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब जब रामलला के मंदिर का निर्माण शुरु हो गया है तो हम सभी अभिभूत है। मुख्यमंत्री धामी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम लोग किसान परिवार से भी और सैनिक परिवार से भी ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के उत्थान और उनकी खुशहाली के लिए कई काम किया। किसान सम्मान निधि और किसानों की आय को दोगुना करने का भी प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के किसान केंद्र सरकार के प्रयासों से संतुष्ट हैं। उन्होंने बताया कि हम लोग अगले चुनाव की रणनीति तय की है और नारा दिया है कि अबकी बार साठ के पार। इस मौके पर सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त व अन्य भी मौजूद रहे।

सरकार ने अलगाववादी नेता सैयद शाह गिलानी के पोते को नौकरी से निकाला, आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का शक

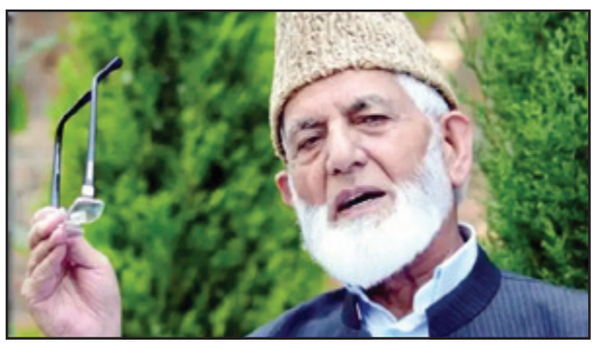

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलगाववादी नेता सैयद शाह गिलानी के पोते को नौकरी से निकाल दिया गया है। सैयद शाह गिलानी के निधन के बाद उनके पोते अनीस-उल-इस्लाम को संविधान के आर्टिकल 11 (2) (म) के तहत नौकरी से निकाला गया है। बता दें कि अनीस-उल-इस्लाम शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर में कार्यरत थें, जिन्हें अब तत्काल प्रभाव से नौकरी से निकाल दिया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि पाकिस्तान समर्थक माने जाने वाले अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के पोते को जम्मू कश्मीर में कथित तौर पर आतंकवादी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए शनिवार को सरकारी नौकरी से निकाल दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अनीस उस इस्लाम, अल्ताफ अहमद शाह का उर्फ अल्ताफ फंटूश का बेटा है और उसे संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत विशेष प्रावधान का इस्तेमाल कर नौकरी से निकाल दिया गया। इस्लाम को 2016 में शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में शोध अधिकारी नियुक्त किया गया था।

बता दें कि तीन बार विधायक रहे सैयद अली शाह गिलानी को पाकिस्तान का खुला समर्थक माना जाता है। उन्होंने तीन दशक से अधिक समय तक अलगाववादी राजनीति का नेतृत्व किया था। इसी साल सितंबर के महीने में सैयद शाह गिलानी का निधन हो गया था। 91 साल की आयु में सैयद शाह गिलानी की बीमारी से मौत हुई थी। उन्हें शहर के बाहरी इलाके हैदरपोरा में उनके घर के पास स्थित एक मस्जिद में दफनाया गया था।

नाटी इमली का भरत मिलापः मूल स्थान पर बदले स्वरूप में लौटा लक्खा मेला

वाराणसी (एजेंसी)। बनारस के चार पारंपरिक लक्खा मेलों में शुमार नाटी इमली का ऐतिहासिक भरत मिलाप एक बार फिर अपने मूल स्थान पर कुछ बदले हुए स्वरूप में लौटा। राम भक्तों की बेशुमार भीड़ के बीच राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन के मिलन की लीला हुई। परंपरा के निर्वाह के लिए काशी राज परिवार के प्रतिनिधि कुंवर अनंतनारायण सिंह अपने दोनों कुमारों के साथ लीला स्थल पर आए। इस बार राजपरिवार के सदस्यों का आगमन परंपरागत ढंग से हाथी पर होने के बजाय मोटर कार पर हुआ। इस बार राजपरिवार के सदस्य हाथी पर सवार होकर नहीं आए। ऐसा भरत मिलाप की लीला के 478 सालों के इतिहास में पहली बार हुआ। हाथी खड़े होने वाली जगह राजसी कनात के नीचे राजमहल से लाई गईं पुराने दौर की तीन कुर्सियां रखी गईं। बीच में कुंवर और उनके दोनों ओर उनके कुमार विराजे। कोरोना को देखते हुए कुंवर ने भीड़ के बीच जाकर परिक्रमा करने के बजाय अपने प्रतिनिधि से पूजन सामग्री और सोने की गिननी कार्यवाहक व्यवस्थापक अभिनव उपाध्याय को भेंट करने के लिए भेजीं। शाम ठीक 40:40 पर मानस मंडली ने भरत मिलाप की चौपाई का गान शुरू किया '...परे भूमि नहिं उठत उठाए, बर करि कृपासिंधु उर लाये का आरंभ होने से पहले ही भगवान श्रीराम और लक्ष्मण पुष्पक विमान से उतर कर भूमि पर दंडवत पड़े भरत और शत्रुधन की ओर दौड़ पड़े। देव स्वरूपों के पीछे लाल पगड़ी में यदुवंशियों का हुजूम उसी रफ्तार से दौड़ लगाते हुए मिलाप स्थल की सीढ़ियों तक पहुंच कर थम गया। श्रीराम और लक्ष्मण ऊपर चढ़े, दंडवत लेटे भरत व शत्रुधन को उठा कर गले लगा। चारों भ्राताओं का मिलन देख अपार जनसमूह हरहर महादेव का घोष करने लगा।

आप ड्रग्स बेचने और लेने वालों की तरफ हैं? पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस का उद्धव ठाकरे से सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के मौजूदा सीएम उद्धव ठाकरे से पूछा है कि क्या वो ड्रग्स बेचने वालों या ड्रग्स लेने वालों की तरफ हैं? या फिर वो उनकी तरफ हैं जो इस शैतान को खत्म कर देना चाहते हैं। शुक्रवार को दशहरा के मौके पर अपने संबोधन के दौरान उद्धव ठाकरे ने हाल के दिनों में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा की गई कुछ गिरफ्तारियों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। हालांकि, सीएम ने अपने संबोधन में एनसीबी का नाम नहीं लिया था। उद्धव ठाकरे ने ड्रग्स केस में शाहरुख खान के

बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को पहली बार एनसीबी की जांच पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। सीएम ने कहा था कि उनकी दिलचस्पी है कि वो सेलेब्रिटी को पकड़ें उनकी तस्वीरें खींचे और शोहरत हासिल करें।

उद्धव ठाकरे की टिप्पणी पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'आज ड्रग्स कैंसर बन चुका है और हमारे युवाओं पर इसका असर पड़ रहा है। मैं आप (उद्धव ठाकरे)से पूछना चाहता हूं कि आप ड्रग्स लेने वाले की तरफ हैं, ड्रग्स बेचने वाले की तरफ है या फिर उनकी तरफ हैं जो इस शैतान को खत्म करना चाहते हैं।' उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा था कि जांच एजेंसी ने चिमटी भर ड्रग्स पकड़ा और इतना शोर मचाया। महाराष्ट्र पुलिस ने 150 करोड़ रुपए का ड्रग्स जब्त किया है। वो लोग यह दिखाना चाहते हैं कि महाराष्ट्र ड्रग्स का अड्डा बन गया है।उद्धव ठाकरे ने जांच एजेंसियों का इस्तेमाल महाराष्ट्र के नेताओं पर करने को लेकर भी सरकार को घेरा था। इसपर फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'अगर हमें केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करना होता तब आपके मंत्री जेल में होते...लेकिन हमें प्रजातंत्र में विश्वास करते है। हमारे प्रधानमंत्री सिद्धातों की राजनीति में विश्वास करते हैं।

पंजाब में मारे गए दलित युवक के परिजनों को 50 लाख दिया जाएः मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने दिल्ली सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के एक दलित युवक की नृशंस हत्या को अति-दुखद व शर्मनाक बताया है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे और पंजाब के दलित सीएम भी लखीमपुर खीरी की तरह पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की मदद व सरकारी नौकरी दें। मायावती ने शनिवार को ट्वीट कर कहा है कि छत्तीसगढ़ में दुर्गा विसर्जन के दौरान भीड़ को कार से कुचलने से हुई एक व्यक्ति की मौत व अनेकों के घायल होने की घटना अति-दुखद, जो लखीमपुर खीरी की घटना की याद ताजा करती है। कांग्रेस सरकार पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद व नौकरी दे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

चुनाव ड्यूटी से पहले अफसरों और कर्मचारियों को देना होगा घोषण पत्र

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में होने जा रहे विधान सभा चुनाव में ड्यूटी करने वाले सभी अफसरों व कार्मिकों को एक घोषणा पत्र भरना होगा। चुनाव के दौरान नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के दो पहले दाखिल किये जाने वाले इस घोषणा पत्र में इन अफसरों व कार्मिकों को अपनी तरफ से यह घोषित करना पड़ेगा कि उनका मौजूदा चुनाव में खड़े किसी उम्मीदवार से किसी भी तरह का कोई निकट संबंध नहीं है। न ही राज्य या जिला स्तर पर किसी राजनीतिक दल से वह ताअल्लुक रखते हैं। यही नहीं इस घोषणा पत्र में उन्हें यह भी लिखना पड़ेगा कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा नहीं चल रहा है। यह निर्देश केन्द्रीय चुनाव आयोग ने जारी किये हैं। इन निर्देशों के अनुसार इनमें से अगर कोई भी जानकारी गलत पायी गयी तो सम्बंधित अफसर या कार्मिक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यही नहीं चुनाव में ऐसा कोई अफसर तैनात नहीं होगा जो वर्तमान में अपने गृह जनपद में तैनात है या फिर एक ही जिले में उक्त अफसर ने पिछले चार वर्षों में से तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है या फिर आगामी 31 मार्च 2022 को उस जिले में उसकी तैनाती के तीन साल पूरे हो रहे हैं। आयोग के यह निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी या चुनाव सम्बंधी किसी कार्य के लिए तैनात नोडल अधिकारी पर लागू होंगे। यही नहीं यह आयोग के यह निर्देश अपर जिला अधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, विकास खण्ड अधिकारी आदि पर भी लागू माने जाएंगे।

आयोग के यह निर्देश चुनाव के दौरान सुरक्षा की ड्यूटी पर तैनात होने वाले पुलिस विभाग के आईजी, डीआईजी, एसएचओ, इन्सपेक्टर, सब इन्सपेक्टर आदि पर भी लागू होंगे। आयोग ने यह भी कहा है कि चुनाव ड्यूटी में ऐसे सब इसंपेक्टर जिनकी तैनात उनके अपने गृह जनपद में है नहीं लगेंगे। यही नहीं ऐसे पुलिस कर्मी जो एक एक पुलिस सब डिवीजन में पिछले चार वर्षों में से तीन साल से लगातार तैनात है उनको भी चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाया जाएगा। सरकारी डाक्टर, इंजीनियर, टीचर,प्रिंसीपल चुनाव ड्यूटी में नहीं लगेंगे आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसकी यह मंशा कतई नहीं है कि चुनाव के नाम पर बड़े पैमाने अफसरों व कर्मचारियों के तबादले किये जाएं। डाक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रधानाचार्य आदि जिनका चुनाव से सीधा कोई सम्बंध नहीं है चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाए जाएंगे। आयोग ने यह भी कहा है कि ऐसे किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ राजनीतिक पक्षपात की शिकायत जांच में सही पायी जाती है तो न केवल तत्काल उसका तबादला किया जाएगा बल्कि उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी सुनिश्चत की जाएगी। वोटर लिस्ट के संक्षिप्त पुनरीक्षण में लगे अधिकारियों व कार्मिकों को तब तक स्थानांतरित नहीं किया जा सकेगा जब तक वोटर लिस्ट का फाइनल ड्राफ्ट प्रकाशित न हो जाए, अगर ऐसा करना अपरिहार्य होता है तो फिर उस मामले में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आयोग से अनुमति लेनी होगी।

जान पर आफत! अफगानिस्तान में जरूरी दवाइयों की भारी किल्लत

बॉर्डर पर मेडिकल इक्विपमेंन्ट्स से लदे ट्रकों को नहीं मिल रही एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के 2 महीने से ज्यादा हो गए हैं। अब देश में जरूरी दवाइयों की किल्लत हो गई है। अफगानिस्तान के फार्मेसी यूनियन के मालिकों ने कहा है कि जरूरी मेडिकल सामानों से लदे 50 से ज्यादा ट्रक अज्ञात वजहों से बॉर्डरों के पास रोक दिये गये हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बॉर्डर पर खड़े ट्रकों के देश में प्रवेश नहीं करने की वजह से यहां मेडिकल सप्लाई की समस्या खड़ी हो गई है और आने वाले

दिनों में यह और बड़ी हो सकती है। एक रिपोर्ट में कहा है कि फार्मेसी संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर इन ट्रकों को देश में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलती है तो अगले महीने तक देश में चिकित्सीय समस्या काफी बड़ी हो सकती है। यूनियन के एक सदस्य अजीजउल्लाह शफिक ने कहा, 'मेडिकल फैक्ट्रियां दवाइयों की कमी से जूझ रही हैं और जरूरी दवाइयों का इस्तेमाल लगातार हो रहा है। अगर यही हालात रहते हैं तो अफगानिस्तान में यह समस्या गंभीर हो सकती है।'

अफगानिस्तान में विदेश से ज्यादा से ज्यादा मेडिकल सप्लाई होती हैं, जो देश के मेडिकल सिस्टम के लिए काफी अहम हैं। काबुल के रहने वाले शाहरुखउल्लाह ने कहा, 'चिकित्सक ने मुझे दवाई की पर्ची दी थी। मैं तीन दिनों से दवाई खोज रहा हूं लेकिन मुझे नहीं मिली है। जरूरी दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं।'

मेडिसन फैक्ट्री के मालिकों का कहना है कि जरुरी सामानों के नहीं मिलने की वजह से कुछ फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद हो चुका है। मेडिकल फैक्ट्रियों के चीफ इंस्पेक्टर अब्दुल करीब कोष्टि ने कहा, 'फ्लाइट अभी सस्पेंड हैं और कस्टम विभाग ने मेडिकल प्रोडक्ट्स से लदी कई ट्रकों को रोक दिया है। कई फैक्ट्रियों के पास दवा बनाने के लिए जरुरी सामान नहीं है जिससे दवाइयों का उत्पादन प्रभावित हुआ है।' फार्मेसी के मालिकों का कहना है कि ट्रकों के देश में नहीं आने से उनका व्यापार भी प्रभावित हुआ है।

अखंड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते संबंध को लेकर चीन बॉर्डर पर अधिक आक्रामक है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच बॉर्डर पर तनाव बना हुआ है। 13वीं दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्ष किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके है। पेट्रोलिंग पॉइंट 15 और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाकों में दोनों देशों ने अपने सैनिक बढ़ा दिए हैं। हालांकि दोनों पक्ष अगले दौर की वार्ता को लेकर सहमत हो गए हैं लेकिन दोनों देशों के अलग-अलग बयान बताते हैं कि गतिरोध जारी है।

भारतीय पक्ष का कहना है कि चीन अब उन क्षेत्रों तक भारत को पहुंचने से रोक रहा है जहां भारत नियमित रूप से गश्त लगाता रहा है। डेमचोक इलाके में घुसपैठ के बाद से भारतीय सेना चारडिंग नाले के पार गश्त नहीं कर पा रही है। चीनी सैनिक बाराहोटी के मैदानों और तवांग ट्रैक्ट में घुसपैठ करने की कोशिश की है लेकिन भारतीय सैनिकों द्वारा रोके जाने के बाद वापस चले गए हैं। चीन लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल के पास सैनिकों की तैनाती को लगातार बढ़ा रहा है और लगातार स्थायी ढांचा बना रहा है। अपुष्ट रिपोर्ट्स बताती हैं कि अक्साई चिन में चीन ने रूसी विध्वंसक मिसाइल ए-400 भी तैनात कर रखे हैं। भारतीय सेना का कहना है कि चीनी सैनिक यहां रहने के मकसद से आए हैं। हम सभी घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं।

रूस में टीका लगवाने में आनाकानी से कोरोना का सबसे भयावह रूप, पहली बार 24 घंटे में 1000 से ज्यादा मौतें

मॉस्को (एजेंसी)। दुनियाभर में कोरोना टीकाकरण में तेजी आने के बावजूद संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से पहली बार रूस में 24 घंटे में संक्रमण की वजह से 1000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। कोरोना प्रतिबंधों में ढील को इसकी सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 24 घंटे में रूस में 33,208 नए केस सामने आए तो 1,002 लोगों की जान चली गई। लगातार तीसरे दिन यहां नए केस और मौतों का आंकड़ा नए रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

रूस में कोरोना संक्रमण में तेजी ऐसे समय पर आई है, जब देश में 31 फीसदी लोगों का ही टीकाकरण पूरा हुआ है। प्रतिबंधों में ढील भी तेजी की एक वजह है। हालांकि, एक बार फिर कई इलाकों में सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड एक्सेस का तरीका अपनाया जा रहा है। क्रेमलिन ने देश की टीकाकरण दर को ठअस्वीकार्य रूप सेठ कम कहने के बावजूद बड़े प्रतिबंधों को फिर से शुरू करने से परहेज किया है, यह कहते हुए कि इस सप्ताह अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ठअर्थव्यवस्था काम करना जारी रखे।ठ यह भी कहा है कि रूस का मेडिकल सिस्टम मरीजों की बढ़ती संख्या के लिए तैयार है। केसों में तेजी के लिए सरकार ने जनता को जिम्मेदार बताया है।

रूस में कोरोना रोधी कई टीके

महीनों से मौजूद है, लेकिन बड़ी आबादी का टीकाकरण नहीं हो पाया है।

स्वतंत्र सर्वे में बताया गया है कि आधे से अधिक रूसी नागरिक टीका नहीं लगवाना चाहते हैं। रूस में कोरोना की वजह से अब तक 222,315 लोगों की मौत हो चुकी है, जोकि यूरोप में सर्वाधिक है। वहीं, आरोप लग रहा है कि कोरोना से हुई मौतों को कम करके दिखाया जा रहा है।

ब्रिटिश सांसद डेविड एम्स की हत्या 17 बार चाकू मारने से हुई, आतंकी एंगल से जांच कर रही पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के सांसद डेविड एम्स को 17 बार चाकू से गोदकर मारा गया है। द सन ने दो महिला स्टाफ सदस्यों के हवाले से यह जानकारी दी है। 69 साल के कंजर्वेटिव नेता को लेघ-ऑन-सी के एक चर्च में मतदाताओं के साथ बातचीत करने के दौरान मारा गया था। मौके पर भी एम्स की मौत हो गई थी। सन ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सोमाली मूल के 25 साल के ब्रिटिश नागरिक ने एम्स को मारने के बाद शांति से बैठा और पुलिस के आने का इंतजार किया। स्थानीय पार्षद डेनियल नेल्सन ने बताया है कि हमें पता है कि हत्यारे ने एम्स को चाकू से मारा और फिर पुलिस का इंतजार कर रहा है। यह हत्या पूरी तरह से पूर्वनियोजित थी। उसे पता था कि वह हत्या करने जा रहा है। ब्रिटेन की पुलिस इसे आतंकी हमला मान रही है और उसी एंगल से जांच कर रही है। हालांकि जांच अभी शुरुआती चरण में ही है। पिछले पांच सालों में दूसरे सांसद की हत्या के बाद से ब्रिटेन के सांसद कड़ी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। जून 2016 में लेबर सांसद जो कॉक्स को एक फार-राइट चरमपंथी ने मार डाला था। कॉक्स की बहन किम लीडबीटर इसी साल सांसद बनी हैं।

बरेली के दंगल में बवाल, पूर्व प्रधान के बेटे ने नेपाली पहलवान को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

बरेली नवाबगंज (एजेंसी)। यूपी के बरेली जिले में आयोजित मेले में एक पूर्व प्रधान के बेटे को अखाड़े में ललकारना और धक्का देकर बाहर करना नेपाली पहलवान को भारी पड़ गया। लोगों ने नेपाली पहलवान को दौड़ा लिया। उसे जमकर पीटा। इसकी वजह से वहां हंगामा मच गया। अखाड़े में हंगामा देखकर लोगों के बीच भगदड़ मच गई। बाद में आयोजकों ने बीच-बचाव कर मामला शांत किया। मामले में पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बरेली के नवाबगंज मेले में एक पूर्व प्रधान के बेटे को अखाड़े में ललकारना और धक्का देकर बाहर करना नेपाली पहलवान को भारी पड़ गया। मामला नवाबगंज क्षेत्र का है। यहां इन दिनों कस्बे के रामलीला मेले में कुश्ती प्रतियोगिता चल रही है। शनिवार को नेपाली पहलवान शंकर थापा कुश्ती लड़ने के लिए अखाड़े में घूम रहे थे। इसी दौरान एक पूर्व ग्राम प्रधान का बेटा भी अखाड़े में बेवजह घूमने लगा। जिसका नेपाली पहलवान ने विरोध कर उसे अखाड़े से नीचे उतार दिया। इससे गुस्साए दबंग ने अपने साथियों के साथ मिल नेपाली पहलवान को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। उसे बचाने के लिए दूसरे पहलवान आए तो उनसे भी धक्का मुक्की की। जिसके बाद वहां हंगामा होने लगा। जैसे तैसे लोगों ने नेपाली पहलवान को बचाया।